वर्ष : 33 » अंक : 212 » पृष्ठ : 8 » मुंबई, शुक्रवार, 18 अक्टूबर 2024 » RNI: MAHHIN/49994/91 » मूल्य : 3 रुपए » epaper.dobajedopahar.com » संपादक : अरुण लाल

मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, नासिक, पुणे से एक साथ प्रकाशित

दो बजे

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

दोपहर

इस साल यह तीसरा सुपरमून, 15 नवंबर को फिर दिखेगा

देशभर में दिखाई दिया सुपरमून

चांद आकार में 14% बड़ा और 30% ज्यादा चमकीला आया नजर

एजेंसी । नई दिल्ली

दुनियाभर में गुरुवार को सुपरमून दिखाई दिया। इस दौरान चंद्रमा का आकार सामान्य से 14% बड़ा दिखाई दिया। चांद 30% ज्यादा चमकीला भी नजर आया। सुपरमून तब होता है, जब पृथ्वी और चंद्रमा के बीच की दूरी सबसे कम हो जाती है। इस वजह से चांद ज्यादा बड़ा और चमकीला दिखाई देता है। इस सुपरमून को देखने पर ऐसा लगा जैसे यह पृथ्वी के करीब आ रहा है। दिल्ली, गुवाहाटी, कश्मीर समेत देश के कई हिस्सों में सुपरमून दिखाई दिया।

इस साल यह तीसरा सुपरमून, 15 नवंबर को फिर दिखेगा

गुरुवार को चांद पृथ्वी से लगभग 351,519 किमी दूर रहा। जबकि आमतौर पर यह सबसे दूर 4,05,000 किमी और सबसे करीब 3,63,104 किमी होती है। पिछले महीने 18 सितंबर को भी सुपरमून दिखाई दिया था, तब चांद पृथ्वी से 357,485 किमी दूर था। वहीं, साल का पहला सुपरमून 19 अगस्त को दिखाई दिया था। तब चांद धरती से 361,969 किमी दूर रहा था। साल का चौथा सुपरमून 15 नवंबर को देखने को मिलेगा, तब चांद धरती से 361,866 किमी दूर रहेगा।

पिछले साल अगस्त में ब्लूमून दिखा था

पिछले साल 1 अगस्त और 30 अगस्त को भी सुपरमून था। 30 अगस्त के सुपरमून को सुपर ब्लू मून कहा गया। दरअसल, चांद की एक साइकिल 29 .5 दिन की होती है। जब किसी एक कैलेंडर मंथ में दो बार पूर्णिमा पड़ जाए तो इसे ही 'ब्लू मून' कहा जाता है। 1 अगस्त, 2023 को पूर्णिमा थी, फिर 30 अगस्त को दूसरी पूर्णिमा पड़ गई इसलिए इसे ब्लू मून कहा गया। आम तौर पर ऐसा हर 2 से 3 साल में एक बार होता है। 30 अगस्त को फुल मून, सुपरमून और ब्लू मून तीनों पड़ रहे हैं, इसलिए इसे 'सुपर ब्लू मून' कहा जा रहा है। साल 1940 से ये चलन शुरू हुआ कि अगर एक ही महीने में दो फुल मून यानी पूर्णिमा पड़ती है तो दूसरे फुल मून को ब्लू मून कहा जाएगा। चूंकि इसी दिन सुपरमून भी है तो इस दिन चांद बड़ा और चमकदार दिखाई देगा, लेकिन नीला नहीं।

महाराष्ट्र में 1200 करोड़ का क्रेडिट स्कैम

- एसआईटी प्रमुख रहीं आईपीएस भाग्यश्री पर जालसाजी के आरोप
- सीबीएआई ने दर्ज किया केस

राजा आदाटे । मुंबई

केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) ने महाराष्ट्र की आईपीएस अफसर भाग्यश्री नवटेके के खिलाफ 1200 करोड़ रुपए के कथित घोटाले में धोखाधड़ी और आपराधिक साजिश का केस दर्ज किया है। सीबीआई के मुताबिक, नवटेके पर जालसाजी और गलत दस्तावेजों के इस्तेमाल के आरोप हैं। यह घोटाला जलगांव स्थित भाईचंद हिराचंद रायसोनी क्रेडिट सोसायटी से जुड़ा है।

सीबीएआई ने क्या कार्रवाई की?: जांच एजेंसी ने आईपीएस भाग्यश्री नवटेके को आईपीसी 120-B (आपराधिक साजिश), 466 (दस्तावेजों की जालसाजी), 474 (नकली दस्तावेज़ों का इस्तेमाल) और 201 (सबूत मिटाने) के तहत आरोपी बनाया है। नवटेके 2020 से 2022 तक क्रेडिट सोसायटी घोटाले की जांच कर रही एसआईटी की प्रमुख थीं।

क्या है 1200 करोड़ रुपए का घोटाला?

- 2015 के इस घोटाले में भाईचंद हिराचंद रायसोनी (BHR) क्रेडिट सोसायटी ने कई निवेशकों को फिक्स्ड डिपॉजिट पर अधिक ब्याज का लालच देकर ठगा था। जांच के दौरान नवटेके पर आरोप लगाया गया कि उन्होंने शिकायतकर्ताओं की गैर-मौजूदगी में उनके हस्ताक्षर हासिल किए और एक ही दिन में एक अपराध के तहत तीन अलग-अलग मामले दर्ज किए।
- महाराष्ट्र गृह विभाग ने सीआईडी जांच रिपोर्ट के बाद पुणे पुलिस को आईपीएस नवटेके के खिलाफ केस दर्ज करने का आदेश दिया था। पुणे पुलिस ने अगस्त में नवटेके पर केस दर्ज किया। अब CBI ने इस घोटाले की जांच अपने हाथ में ले ली है।

पुणे पुलिस ने 2021 में घोटाले के आरोपी को पकड़ा

घोटाले के मुख्य आरोपी जितेंद्र कंदारे को जून 2021 में पुणे पुलिस ने गिरफ्तार किया था। क्रेडिट सोसायटी घोटाले में आईपीएस के मामले को 2020 में सीबीआई को सौंपा गया, जिसने अब नवटेके के खिलाफ जांच शुरू कर दी है। केंद्रीय एजेंसी ने 12 बैंकों को धोखा देने के लिए दिल्ली स्थित एक कंपनी के डायरेक्टर्स के खिलाफ भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी का केस भी दर्ज किया।

न्यूज़ ब्रीफ

अभिनेत्री तमन्ना भाटिया से ईडी ने की पूछताछ

मुंबई। ईडी आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि जांच एजेंसी ने गुरुवार को 'एचपीजेड टोकन' मोबाइल ऐप से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के सिलसिले में अभिनेत्री तमन्ना भाटिया से पूछताछ की। इस ऐप में बिटकॉइन और कुछ अन्य क्रिप्टोकरेंसी के माइनिंग के बहाने कई निवेशकों को कथित तौर पर ठगा गया था। प्रवर्तन निदेशालय ने कहा कि अभिनेत्री का बयान यहां उसके क्षेत्रीय कार्यालय में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दर्ज किया गया। सूत्रों ने बताया कि ऐप कंपनी के एक कार्यक्रम में सेलिब्रिटी के तौर पर शामिल होने के लिए भाटिया को कुछ धनराशि मिली थी और उनके खिलाफ कोई अपराधात्मक आरोप नहीं था।

शत्रु संपत्ति निपटान आदेश के दिशा-निर्देशों में होगा संशोधन

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शत्रु संपत्ति निपटान आदेश, 2018 के दिशा-निर्देशों में संशोधन करने का आदेश जारी किया है। संशोधित दिशा-निर्देशों को अब शत्रु संपत्ति निपटान (संशोधन) आदेश, 20124 के रूप में जाना जाएगा। गृह मंत्रालय की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया, शत्रु संपत्ति निपटान आदेश, 2018 के दिशानिर्देशों में पैराग्राफ नौ के उप-पैरा (2) के खंड (ए) निम्नलिखित खंड को प्रतिस्थापित किया जाएगा, यानी (ए) ग्रामीण क्षेत्रों में एक करोड़ से कम और शहरी क्षेत्रों में पांच करोड़ रुपए से कम मूल्य की संपत्तियो के लिए संरक्षक पहले धारक को खरीदने का प्रस्ताव देगा। यदि धारक इस प्रस्ताव को अस्वीकार करता है, तो शत्रु संपत्ति का निपटान उप धाराओं (बी), (सी) और (डी) में तय प्रक्रिया के अनुसार किया जाएगा।

समीर वानखेड़े लड़ सकते हैं चुनाव

मुंबई। आईआरएस अधिकारी समीर वानखेडे के राजनीति के अखाड़े में उतरने की चर्चा है। बताया जा रहा है कि शिंदे सेना उन्हें धारावी विधानसभा की आरक्षित सीट से चुनाव लड़ना चाहती है। हालांकि वाखेड़ें की ओर से इसकी कोई पुष्टि नहीं हुई है। इस खबर पर शिंदे सेना की ओर से कहा गया कि पार्टी के सामने ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं आया है। समीर वानखेडे यदि राजनीति के मैदान में उतरते हैं तो उन्हें पहले अपने पद से इस्तीफा देना होगा जिसकी मंजूरी केंद्र सरकार का गृह विभाग देगा। इसके बाद ही उनके लिए राजनीति का मैदान साफ होगा। कई मीडिया रिपोर्ट्स में उनके शिंदे सेना से शामिल होने बात कही जा रही है।

सलमान खान गैलेक्सी अपॉर्टमेंट केस में बड़ा खुलासा

सलमान खान को मारने के लिए 25 लाख की सुपारी

- पनवेल फार्महाउस के पास मारने की थी बड़ी प्लानिंग
- पुलिस ने चार्जशीट में खोले में कुल पांच लोगों के नाम

मुंबईः मुंबई के बांद्रा में दशहरे के दिन राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद जहां बॉलीवुड एक्टर सलमान खान की सुरक्षा अलर्ट पर है तो वहीं दूसरी तरफ अब नवी मुंबई पुलिस ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। पुलिस की तरफ से कोर्ट में दाखिल की गई चार्जशीट में कहा गया है कि पनवेल के फॉर्महाउस पर ही सलमान पर हमले की प्लानिंग थी। हमलावरों ने पाकिस्तान से अत्याधुनिक हथियार एके 47, एके 92 और एम 16 तथा तुर्की मेड जिगाना खरीदने की तैयारी की थी। जिगाना से पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या की गई थी। आरोपियों ने सलमान खान की हत्या के लिए 18 साल से कम उम्र के लड़कों को भाड़े पर रखा था। लॉरेंस बिश्नोई गैंग के ये लड़के पुणे, रायगढ़, नवी मुंबई, ठाणे और गुजरात में छिपे हुए हैं।

सलमान के हर मूवमेंट की निगरानी

पुलिस ने चार्जशीट में कहा है कि अभिनेता सलमान खान करीब 60 से 70 लोग सलमान खान की हरकतों पर नज़र रख रहे थे। ये लड़के सलमान खान के बांद्रा स्थित घर, पनवेल के फार्महाउस और गोरेगांव फिल्म सिटी में वॉट रख रहे थे। पुलिस ने चार्जशीट के अनुसार कहा है कि सलमान खान की हत्या की योजना अगस्त 2023 और अप्रैल 2024 के बीच बनाई गई थी। पुलिस की जांच में सामने आया है कि सुक्खा जिसे हरियाणा के पानीपत से गिरफ्तार किया गया था। उसी ने हत्या की जिम्मेदारी नामित शूटर अजय कश्यप उर्फ एके और साजिश में शामिल चार अन्य लोगों को सौंपी थी। कश्यप और उनकी टीम द्वारा की गई रेकी से यह निष्कर्ष निकला कि अभिनेता की कड़ी सुरक्षा और बुलेटप्रूफ वाहनों के कारण हत्या को अंजाम देने के लिए उच्च श्रेणी के हथियारों की आवश्यकता होगी।

डोगर से की थी डील : सुक्खा (सुखबीर बलबीर सिंह) ने हथियारों की डील की शर्तों पर बातचीत करते हुए वीडियो कॉल के माध्यम से पाकिस्तान स्थित हथियार डीलर डोगर से संपर्क किया। इसमें शॉल में लिपटे एके-47 और अन्य उन्नत हथियार दिखाए गए थे। डोगर ने हथियारों की आपूर्ति करने पर सहमति जताई थी। सुखा ने 50 प्रतिशत अग्रिम भुगतान और शेष राशि भारत में डिलीवरी होने पर देने की बात कही थी। पुलिस ने यह भी पाया कि सभी शूटर कनाडा स्थित गैंगस्टर गोल्डी बरार और लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल बिश्नोई से हरी झंडी मिलने का इंतजार कर रहे थे। सलमान खान को गोली मारने के बाद इन शूटर्स ने कन्याकुमारी में इकट्ठा होने की योजना बनाई थी। यहां पर वे नाव से श्रीलंका जाने की योजना बनाई थी। इसके बाद वह किसी ऐसे देश में जाना चाहते थे जहां तक भारतीय एजेंसियां न पहुंचें।

शर्मनाक : घोर गरीबी में जी रहे 1.1 अरब लोग

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में भारत का भी जिक्र

एजेंसी । नई दिल्ली

संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रकाशित एक नई रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया भर में एक अरब से अधिक लोग गंभीर गरीबी में जी रहे हैं, जिनमें से लगभग आधे लोग संघर्ष प्रभावित देशों में हैं। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) द्वारा गुरुवार को जारी बहुआयामी गरीबी सूचकांक में ये बात कही गई है। इसमें कहा गया है कि युद्धग्रस्त देशों में पोषण, बिजली, पानी और स्वच्छता जैसे सभी संकेतकों में अत्यधिक गरीबी के स्तर अधिक पाए गए हैं।

भारत में 23.4 करोड़ लोग गरीबी में

भारत में अत्यधिक गरीबी का सामना करने वाले लोगों की संख्या सबसे अधिक है, जहां 1.4 अरब की आबादी में से 23 .4 करोड़ लोग गरीबी में हैं। इसके बाद पाकिस्तान, इथियोपिया, नाइजीरिया और कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य का स्थान है। ये पांच देश मिलकर दुनिया के 1.1 अरब गरीब लोगों में लगभग आधे का प्रतिनिधित्व करते हैं।

18 वर्ष से कम आयु के लगभग 58.4 करोड़ बच्चे अत्यधिक गरीबी का कर रहे हैं सामना

रिपोर्ट के अनुसार, 112 देशों और 6 .3 अरब लोगों पर किए गए शोध में पाया गया कि 1.1 अरब लोग घोर गरीबी में जी रहे हैं, जिनमें से 455 मिलियन लोग संघर्ष की छाया में जीवनयापन कर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 18 वर्ष से कम आयु के लगभग 58 .4 करोड़ बच्चे अत्यधिक गरीबी का सामना कर रहे हैं, जो दुनिया भर के बच्चों का 27 .9 प्रतिशत है, जबकि वयस्कों में यह आंकड़ा 13 .5 प्रतिशत है। संघर्ष प्रभावित देशों में बाल मृत्यु दर 8 प्रतिशत है, जबकि शांतिपूर्ण देशों में यह केवल 1.1 प्रतिशत है। रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया के सबसे गरीब 83 .2 प्रतिशत लोग उप-सहारा अफ्रीका और दक्षिण एशिया में रहते हैं।

बीएमसी धन जुटाने के लिए तीन भूखंड नीलामी कर रही है : आदित्य

दोपहर संवाददाता । मुंबई

शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि मुंबई नगर निगम ने धन जुटाने और एकनाथ शिंदे सरकार द्वारा महानगर की 'लूट' की भरपाई के लिए तीन भूखंडों की नीलामी करने का फैसला किया है। ठाकरे ने बताया कि बृहन्मुंबई नगर निगम (जो अब एक प्रशासक द्वारा चलाया जा रहा है) ने छत्रपति शिवाजी महाराज मंडी (बाजार), बृहन्मुंबई विद्युत आपूर्ति और परिवहन (बीईएसटी) मालाबार हिल रिसीविंग स्टेशन और 'वर्ली अस्फाल्ट प्लांट' की नीलामी करने का फैसला किया है। उन्होंने आरोप लगाया, 'एकनाथ शिंदे सरकार द्वारा अपने पसंदीदा बिल्डर और ठेकेदारों को लाभ पहुंचाने के लिए मुंबई को बेचा जा रहा है।' ठाकरे ने कहा कि महा विकास आघाडी सरकार के सत्ता में आने के बाद इस मामले की जांच की जाएगी।

शराबबंदी वाले सूबे में जान ले रही शराब

अब तक 32 लोगों की मौत

सीवान। बिहार के 16 गांवों में जहरीली शराब से मौतों का सिलिसला जारी है। सीवान, छपरा और सारण में एक महिला सहित 32 लोगों के मौत हो चुकी है। गुरुवार सुबह भी सीवान में 3 और सारण में 2 लोगों की मौत हुई। सीवान में 26 और सारण में 6 लोग जान गंवा चुके हैं। मौतों का यह सलिसिला 14 अक्टूबर से जारी है। डॉक्टरों ने भी मौत की वजह जहरीली शराब को बताया है।

यहां शराब, नकली शराब एवं जहरीली शराब तीन तरह की शराब बिक रही। शराबबंदी के कारण बिहार में पिछले 8 वर्षों में 12 लाख मामले दर्ज हुए हैं। पिछले वर्ष डेढ़ सौ से अधिक लोगों की जहरीली शराब पीने से मौत हुई। खुद मंत्री भी मानते हैं कि बिहार में शराब की तो होम डिलीवरी होती है। इसमें गरीब लोग देसी शराब का इस्तेमाल कर रहे हैं।"

'अब कानून अंधा नहीं है'

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में नई न्याय की प्रतिमा का अनावरण हुआ है, जो परंपरागत रूप से पहले वाले से अलग है। इस नई प्रतिमा में 'न्याय अंधा नहीं है' का संदेश देने के लिए उसकी आँखों पर से पट्टी हटा दी गई है, और दाएं हाथ में संविधान ने तलवार की जगह ले ली है। इसके साथ ही 'न्याय की देवी' ने पश्चिमी लिबास की बजाय अब साड़ी पहनी है, जो भारतीय सांस्कृतिक पहचान को दर्शाता है। यह प्रतिमा मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के आदेश पर बनवाई गई है, और इसका उद्देश्य यह दिखाना है कि भारत में कानून अंधा नहीं है और न ही यह सिर्फ दंड देने वाला है। पहले, न्याय की देवी को आँखों पर पट्टी बांधकर दिखाया जाता था, जिसका अर्थ था कि न्याय किसी के धन, शक्ति या स्थिति को ध्यान में रखे बिना समान रूप से हो। लेकिन अब, खुली आँखों के साथ यह प्रतिमा यह संदेश देती है कि भारत में कानून हर किसी को देखकर, समझकर और सत्य के आधार पर न्याय करता है।

अब 2 महीने पहले होगी रेलवे टिकट की एडवांस बुकिंग

अभी यात्रा से 4 महीने पहले शुरू होती है □ नए नियम 1 नवंबर से लागू होंगे

धीरज सिंह । नई दिल्ली

भारतीय रेलवे ने एडवांस टिकट बुकिंग के नियमों में बदलाव किया है। पहले टिकट बुकिंग यात्रा से 120 दिन पहले शुरू होती थी, अब इसे घटाकर 60 दिन कर दिया गया है। नया फैसला 1 नवंबर 2024 से लागू होगा। रेल मंत्रालय के मुताबिक, एडवांस ट्रेन टिकट बुकिंग के नए नियमों का पहले से बुक किए गए टिकटों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। साथ ही, विदेशी पर्यटकों के लिए 365 दिनों की डेडलाइन में भी कोई बदलाव नहीं किया गया है। अभी टिकट बुकिंग IRCTC की वेबसाइट, एप और रेलवे के बुकिंग काउंटर्स से होती है। IRCTC से हर दिन 12.38 लाख टिकट बुक होते हैं।

2015 में रेलवे ने एडवांस रिजर्वेशन पीरियड बढ़ाया था

1 अप्रैल, 2015 तक एडवांस रिजर्वेशन पीरियड 60 दिन था। सरकार ने तब बुकिंग अवधि को 120 दिन करने पर तर्क दिया था कि अवधि आगे बढ़ाने से दलाल हताश होंगे, क्योंकि इसमें ज्यादा कैंसिलेशन चार्ज देना होगा। हालांकि तब कई लोगों ने तर्क दिया था कि रिजर्वेशन पीरियड को आगे बढ़ाने का रेलवे का उद्देश्य अतिरिक्त 60 दिनों के लिए ब्याज के साथ-साथ कैंसिलेशन की ज्यादा संख्या के माध्यम से एडिशनल रेवेन्यू कमाना है।

क्या होगा फायदा?

- **120 दिन बहुत ज्यादा:** रेलवे ने महसूस किया कि सफर की योजना बनाने के लिए 120 दिन बहुत ज्यादा थे। इस वजह से यात्रियों के यात्रा नहीं करने पर ज्यादा कैंसिलेशन और सीट/बर्थों की बर्बादी हुई।
- **21% कैंसिलेशन:** वर्तमान में लगभग 21% कैंसिलेशन होता है। 4-5% यात्री नहीं आते (नो-शो) हैं।
- **नो-शो के मुद्दे :** कई मामलों में यह देखा जाता है कि यात्री अपने टिकट रद्द नहीं करते हैं और यात्रा के लिए नहीं आते हैं। इससे धोखाधड़ी होती है - जैसे कि प्रतिरूपण, रेलवे कर्मचारियों की ओर से अवैध रूप से पैसे लेना आदि। अब, इसे रोका जा सकता है।
- **टिकट ब्लॉकिंग का चक्कर:** लंबी अवधि के साथ कुछ लोगों के टिकट ब्लॉक करने की अधिक संभावना थी। कम अवधि के कारण वास्तविक यात्रियों के अधिक टिकटों को प्रोत्साहित किया जाएगा।
- **जनरल टिकट पर असर:** सामान्य श्रेणी के टिकटों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता क्योंकि वे यात्रा से ठीक पहले खरीदे जाते हैं।
- **स्पेशल ट्रेनों की योजना:** कम रद्दीकरण और नो-शो के कारण अधिक मांग को देखते हुए रेलवे पहले से ही अधिक विशेष ट्रेनों की योजना बना सकता है।

डेढ़ लाख का गांजा जब्त, 1 गिरफ्तार पांच फरार

दोपहर संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी में पुलिस द्वारा चुनाव और मादक द्रव्य विरोधी अभियान के साथ शुरू की गई है। इसी तरह की कार्रवाई में पुलिस ने डेढ़ लाख रुपए का गांजा जब्त कर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया और पांच लोग फरार हैं। इन छह लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। अंजुरफाटा कामतघर रोड पर गायत्री नगर में गांजा बेचने के लिए रिक्शा से आने की सूचना मिलने पर नारपोली पुलिस ने जाल बिछाकर कार्रवाई की और आधी रात करीब 2 बजे विशाल बालाजीराव हल्दे नामक एक व्यक्ति को पहले हिरासत में लिया। पुलिस द्वारा ली गई तलाशी में उसके पास से 1 लाख 55 हजार रुपए का गांजा बरामद किया गया है। इस मामले में विशाल हल्दे को गिरफ्तार कर लिया गया है उसके अन्य साथी फरार हो गए। हल्दे के बयान पर पुलिस ने लालबी शेख, सलाम शेख, शाहिद अंसारी उर्फ लंगड़ा, रंजना धोत्रे, रंजना धोत्रे की सास सहित अन्य पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। इस अपराध की आगे की जांच सहायक पुलिस निरीक्षक विजय कोली कर रहे हैं।

आपराधिक पृष्ठभूमि के उम्मीदवारों को प्रिंट मीडिया द्वारा करना होगा खुलासा

दोपहर संवाददाता । उल्हासनगर

भारत निर्वाचन आयोग ने 15 अक्टूबर 2024 को महाराष्ट्र विधानसभा आम चुनाव 2024 की घोषणा के साथ पूरे जिले और राज्य में आदर्श आचार संहिता लागू कर दी गई है। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव एक ही चरण में होंगे और उल्हासनगर विधानसभा चुनाव की मतदान प्रक्रिया 20 नवंबर 2024 को होगी और वोटों की गिनती 23 नवंबर 2024 को होगी। यह जानकारी उल्हासनगर विधानसभा

141 के चुनाव अधिकारी विजयानंद शर्मा ने गुरुवार दोपहर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी।

उल्हासनगर विधानसभा चुनाव के संबंध में चुनाव अधिकारी विजयानंद शर्मा ने की प्रेस कॉन्फ्रेंस

कुल 260 मतदान केंद्र

उल्हासनगर विधानसभा-141 में कुल 260 मतदान केंद्र रहेंगे, जिंसमे 1.50,401 पुरुष। 1.30,349 स्त्री, 102 तृतीयपंथी, 1601 जेष्ठ नागरिक, 865 दिव्यांग, 108 सर्विस मतदार और 85 वर्ष से अधिक उम्र के 1061 मतदार कुल मिलाकर 2.80,852 मतदार है। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में तहसीलदार कल्याणी कदम उल्हासनगर मनपा की जनसंपर्क अधिकारी छाया डांगले उपस्थित थीं।

कुल 40 लाख तक खर्च करने की सीमा

उपविभागीय अधिकारी एवं चुनाव निर्णय अधिकारी विजयानंद शर्मा ने उल्हासनगर स्थित उपविभागीय कार्यालय में गुरुवार दोपहर 12 बजे एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन कर चुनाव से संबंधित विभिन्न विषयों पर जैसे समन्वय अधिकारी, आचार संहिता, चुनाव व्यय नियंत्रण, 141 विधानसभा क्षेत्रों के मतदाता आंकड़े, मतदान केंद्रों की जानकारी, विधानसभा के अनुसार ईवीएम-वीवीपैट का विवरण, डाक की पूरी जानकारी दी। मतपत्र, चुनाव सुविधाओं से जुड़े एप व नामांकन फॉर्म दाखिल को लेकर कहा कि 22 अक्टूबर 2024 से नामांकन पत्र की प्रक्रिया की शुरुआत होगी और 29 अक्टूबर 2024 आवेदन पत्र भरने की आखिरी तारीख है। इसी तरह आवेदन वापस लेने की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर 2024 है। आवेदन की जांच 4 नवंबर 2024 को की जाएगी। मतदान 20 नवंबर 2024 को होगा और मतगणना 23 नवंबर 2024 को होगी। नामांकन पत्र दाखिल करते समय एक उम्मीदवार को अपने साथ चार से अधिक लोगों को नहीं लाना चाहिए।साथ ही आपराधिक रिकॉर्ड वाले उम्मीदवारों को आवेदन के साथ अंगूठे के ऊपर के स्टांप पेपर पर एक शपथ पत्र जमा करना होगा।उन्हें न्यायालय विचाराधीन मामलों व आपराधिक मामले का प्रिंट मीडिया के द्वारा खुलासा करना होगा। एक उम्मीदवार एक साथ चार फार्म भर सकता है और कुल 40 लाख तक खर्च करने की सीमा होगी। प्रत्याशी को खर्च किए गए पैसे का हिसाब चुनाव कार्यालय को देना अनिवार्य है।

41 छात्र खाद्य विषाक्तता के कारण अस्पताल में भर्ती

दोपहर संवाददाता । ठाणे

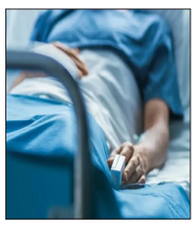

ठाणे नगर निगम के एक विद्यालय के 41 विद्यार्थियों में बृहस्पतिवार को भोजन विषाक्तता के लक्षण दिखने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। ठाणे नगर निगम (टीएमसी) के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दिवा-अगासन इलाके के विद्यालय के बच्चों ने परिसर में मध्याह्न भोजन खाने के बाद पेट खराब होने की शिकायत की। सभी की हालत स्थिर है। प्रारंभिक उपचार के लिए कलवा स्थित निगम द्वारा संचालित छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल से चिकित्सकों की एक टीम को विद्यालय भेजा गया। उप नगर आयुक्त (स्वास्थ्य) जीजी गोदेपुरे ने बताया कि बाद में 41 छात्रों को निगरानी के लिए कलवा अस्पताल ले जाया गया।

टीएमसी आयुक्त सौरभ राव ने कहा कि समस्या तब शुरू हुई जब पांचवीं से सातवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने मध्याह्न भोजन के तहत परोसी गई खिचड़ी खा ली। उन्होंने कहा, 'सभी छात्रों की हालत अब स्थिर है।' टीएमसी प्रमुख ने कहा कि खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) के अधिकारियों ने रसोई और अन्य खाना पकाने की सुविधाओं का निरीक्षण किया और खिचड़ी के नमूने एकत्र किए। राव ने कहा कि जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

क्रिप्टोकरेंसी में निवेश के नाम पर बुजुर्ग से 16 लाख रुपए की ठगी

- 10 के खिलाफ मामला दर्ज

दोपहर संवाददाता । ठाणे

इन दिनों क्रिप्टोकरेंसी में निवेश के नाम पर पैसा डबल करने का वादा कर ठगों द्वारा लोगों से ठगी की जा रही है। ठाणे पुलिस ने एक ऐसे ही मामले में एक बुजुर्ग व्यक्ति और उनके दोस्त से धोखाधड़ी करने के आरोप में 10 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक ठगों ने निवेश के नाम पर ज्यादा लाभ के साथ पैसा डबल कर वापस देने का वादा करके 71 वर्षीय व्यक्ति और

उसके दोस्त से 16.48 लाख रुपए ठग लिए। मामले की जानकारी देते हुए पुलिस के एक अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि आरोपियों ने खुद को क्रिप्टोकरेंसी का कारोबार करने वाली एक कंपनी का प्रतिनिधि बताकर ठगी की घटना को अंजाम दिया। ठगों ने पीड़ितों को बताया कि उनकी कंपनी का ऑफिस महाराष्ट्र के ठाणे जिले के मुंब्रा और डोंबिवली इलाकों में है। बता दें कि क्रिप्टोकरेंसी में निवेश

पीड़ितों से ठगे 16 लाख से ज्यादा रुपए

ठगों ने मुंबई के चेंबूर निवासी बुजुर्ग व्यक्ति और उनके एक दोस्त को क्रिप्टोकरेंसी में निवेश करने का लालच दिया था। दोनों व्यक्ति ठगों के झांसे में आ गए और पिछले साल मार्च से लेकर अब तक पीड़ितों ने आरोपियों के कहे अनुसार उन्हें अलग-अलग समय पर कुल 16,48,405 रुपए का भुगतान किया।

कर पैसा डबल करने के नाम पर ये ठगी का कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी राज्य में ऐसी कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं।

ठगी का एहसास होने पर दर्ज कराया मामला

जब काफी वक्त गुजरने के बाद भी पीड़ितों को न तो लाभ का पैसा दिया गया और न ही मूल रकम की वापसी हुई तो उन्हें ठगे जाने का अहसास हुआ। इसके बाद पीड़ितों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। मामले को लेकर मुंब्रा पुलिस थाने के अधिकारी ने बताया कि बुधवार को 10 लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी और आपराधिक विश्वासघात के प्रासंगिक कानूनी प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने बताया कि ये सभी आरोपी ठाणे के दिवा और डोंबिवली तथा उत्तर प्रदेश के निवासी हैं। घटना के संबंध में फिलहाल पुलिस ने किसी को गिरफ्तार नहीं किया है। मामले की जांच जारी है।

आचार संहिता के बाद अनाधिकृत होर्डिंग्स पर कार्रवाई

दोपहर संवाददाता । नवी मुंबई।

महाराष्ट्र विधानसभा आम चुनाव 2024 के लिए आदर्श आचार संहिता के अनुसार, नवी मुंबई नगर निगम क्षेत्र में सार्वजनिक स्थानों पर प्रदर्शित अनधिकृत विज्ञापनों को हटाने के लिए नगर निगम की ओर से कार्रवाई की जा रही है। इसमें 13 से 16 अक्टूबर तक 4 दिनों की अवधि में बड़ी संख्या में 4418 छोटे-बड़े अनाधिकृत बैनर और होर्डिंग हटाए गए हैं।

कुल 4418 छोटे-बड़े बैनर और होर्डिंग्स हटाए गए

मनपा आयुक्त डॉ. कैलास शिंदे के निर्देशानुसार अतिक्रमण विभाग के उपायुक्त डॉ. राहुल गेठे के नियंत्रण में आठ विभागों और छह संबंधित विभागों के कार्यालय स्तर पर उक्त अभियान लागू किया गया है। कमिश्नर और विभाग के अधिकारियों के माध्यम से तीनों संपतियों और सरकारी, सार्वजनिक और निजी स्थानों पर लगाए गए अनधिकृत राजनीतिक विज्ञापनों को हटा दिया गया है। इसमें बेलापुर डिविजन में 391, नेरुल डिविजन में 1139, वाशी डिविजन में 444, तुर्भे डिविजन में 1005, कोपरखैरणे डिविजन में 571, घनसोली डिविजन में 350, ऐरोली डिविजन में 331, दीघा डिविजन में 187 इस तरह कुल 4418 छोटे-बड़े बैनर और होर्डिंग्स हटा दिए गए हैं. इसके अलावा सार्वजनिक दीवारों पर लगी पेंटिंग, लेख, पोस्टर, कागज, झंडे, मेहराब भी हटा दिए गए हैं।

पत्नी की बेरहमी से हत्या के मामले में फरार आरोपी वाराणसी से गिरफ्तार

दोपहर संवाददाता । अंबरनाथ

अंबरनाथ पूर्व के पालेगांव में महिला की नृशंस हत्या के मामले में आठ दिनों से फरार चल रहे आरोपी पति को आखिरकार पुलिस ने गुरुवार को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। शिवाजी नगर पुलिस क्षेत्र में हुए इस जघन्य हत्याकांड से अंबरनाथ में सनसनी मच गई थी। आरोपी को पकड़ने के लिए अंबरनाथ पुलिस की एक टीम वाराणसी गई थी जहां से आरोपी को हिरासत में लिया गया। आरोपी विक्की बबन लोंढे अपनी पत्नी रूपाली लोंढे की बेरहमी से हत्या करने के बाद कई दिनों से फरार चल रहा था। गुरुवार को एक प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से पुलिस बताया कि यह घटना 8 अक्टूबर की शाम को अंबरनाथ पूर्व के पालेगांव में पार्श्वहिल सोसायटी में हुई थी।

वाराणसी पुलिस की मदद से पकड़ा आरोपी

आरोपी को पकड़ने के लिए वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक रमेश पाटिल के नेतृत्व में जांच आधिकारियों ने तुरंत तीन टीमों का गठन किया था जिसके 8 दिन बाद आज पुलिस को सफलता मिली। पुलिस ने बताया कि जांच में विक्की लोंढे की लोकेशन वाराणसी मिली जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस की एक टीम यहां से वाराणसी पहुंची थी जहां स्थानीय पुलिस की मदद से आरोपी को हिरासत में ले लिया गया।

बेटी की कस्टडी को लेकर हुआ था विवाद

पुलिस के मुताबिक आरोपी विक्की लोंढे का उसकी पत्नी रुपाली से कई दिनों से बेटी की कस्टडी को लेकर विवाद चल रहा था। वारदात वाले दिन भी इस मुद्दे को लेकर दोनों में बहस शुरू हो गई। इस दौरान बहस इतनी बढ़ गई कि तैश में आकर विक्की ने अपनी पत्नी का गला घोंटकर उसे जमीन पर गिरा दिया और फिर उसका गला रेतकर उसकी हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद वह फरार हो गया था। घटना की जानकारी मिलते ही शिवाजी नगर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया था। पुलिस ने आरोपी विक्की लोंढे के खिलाफ भारतीय दंड संहिता, 2023 की धारा 103(1) के तहत मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी थी।

उल्हासनगर विधानसभा 141 में पहले उम्मीदवार के नाम की घोषणा

- वंचित विकास अघाड़ी से डॉ. संजय गुप्ता के उम्मीदवारी की घोषणा

सुरेश चौहान । उल्हासनगर

वंचित विकास अघाड़ी ने विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की तीसरी सूची की घोषणा कर दी है। इस सूची में ओएनबीवी फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ। संजय गुप्ता को उल्हासनगर विधानसभा-141 से उम्मीदवार घोषित किया गया है। किसी राजनीतिक दल द्वारा घोषित पहला टिकट है। वंचित विकास अघाड़ी ने अब तक 51 उम्मीदवारों की सूची की घोषणा कर दी है, जिसमें बुधवार को घोषित तीसरी सूची में 30 उम्मीदवार शामिल हैं। इस लिस्ट में उल्हासनगर विधानसभा के लिए संजय गुप्ता के नाम का ऐलान किया गया है।

पंद्रह दिन पहले बीजेपी छोड़ वीवीए में हुए थे शामिल

संजय गुप्ता पंद्रह दिन पहले भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा के जिला अध्यक्ष का पद छोड़कर वंचित विकास अघाड़ी में शामिल हो गए थे। उन्होंने सबसे पहले मौजूदा बीजेपी विधायक कुमार आयलानी से विवाद के चलते बीजेपी से टिकट की मांग की थी। पर उल्हासनगर बीजेपी सिंधी समुदाय की मांगों से बंधी है और उन्हें सिर्फ उत्तर भारतीयों के वोट चाहिए।साथ ही वर्षो से हिंदी भाषी मांग पूरी नही होते देख उन्होंने बीजेपी से छुट्टी को अलविदा कर दिया।

समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य

डॉ।संजय गुप्ता सामाजिक संस्था ओएनबीवी फाउंडेशन के माध्यम से समाज सेवा के क्षेत्र में निरंतर उल्लेखनीय कार्य करते आ रहे है। जिंसमे 450 से ज्यादा विधवाओं को राशन किट, बुजुर्ग आश्रम में रहने वाले लोगों को रोजनां भोजन, मध्यवर्ति अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती मरीजों के परिवार को रोजना भोजन, सहित बच्चो को शिक्षा में मदद इत्यादि कार्य संस्था के माध्यम से किये जाते हैं ओएनबीवी फाउंडेशन नवरात्र के इन नौ दिनों में सेंट्रल हॉस्पिटल उल्हासनगर में जन्मी गरीब वर्ग की नवजात कन्याओं को 5 हजार रूपए की आर्थिक सहायता प्रदान करने का निर्णय लिया है। गौरतलब है कि इस तरह की योजना से यह फाउंडेशन सैंकड़ों नवजात बालिकाओं को पूर्व में आर्थिक सहायता प्रदान कर चुका है। संजय गुप्ता ने आगे कहा की इस तरह की आर्थिक सहायता से नवजात कन्याओं के पोषण में सहायता मिलती है। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की योजना को तर्ज पर कन्याओं के प्रति नजरिया बदलने की जरूरत है तभी समाज से लैंगिक भेदभाव,कन्या भ्रूण हत्या,ओनर किलिंग जैसी बुराइयां समाज से दूर होंगी। उचित शिक्षा प्रणाली और कन्याओं के प्रति सही नजरिए से ही समाज में व्यापक रूप से परिवर्तन आएगा।

रेलवे में नौकरी के नाम पर बड़ी ठगी

- 20 लोगों को बनाया शिकार
- 1.31 करोड़ रुपए झांसा देकर वसूले

दोपहर संवाददाता । मुंबई

मुंबई पुलिस ने नौकरी के नाम पर ठगी करने वाले छह आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इन आरोपियों ने भारतीय रेलवे में लिपिक की नौकरी का झांसा देकर 1.31 करोड़ रुपए की ठगी की। आरोपियों ने कुल 20 लोगों को अपना शिकार बनाया। नकद और ऑनलाइन माध्यम से ठगी की रकम हासिल की।

जब पैसा मांगा तब हुआ ठगी का अहसास

खारघर पुलिस थाने के प्रभारी के मुताबिक आरोपियों ने सितंबर 2022 से अप्रैल 2023 के बीच 20 लोगों से ठगी की। लोगों ने जब आरोपियों से नौकरी के बारे में जानकारी मांगी तो उन्होंने कुछ भी नहीं बताया। बार-बार पूछने पर भी कोई जवाब नहीं मिला तो पीड़ितों ने पैसे वापस मांगे। मगर आरोपियों ने रकम नहीं लौटाई। इस पर उन्हें ठगी का अहसास हुआ।

उद्योगपति स्व. रतन टाटा और स्व. कैकई घरडा की याद में शोकसभा

दोपहर संवाददाता । डोंबिवली

डोंबिवली के सर्वेश हॉल में 16 अक्टूबर शाम को शिवसेना ठाकरे गुट और दीपेश म्हात्रे फाउंडेशन के सहयोग से रतन टाटा और कै. कैकई घरडा (घरडा केमिकल्स) को श्रद्धांजलि देने के लिए एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में डोंबिवली के विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया और सभी ने इन दो महान हस्तियों के काम का बखान और सम्मान करने के लिए एक साथ आए थे। इस मौके पर पूर्व स्थायी समिति अध्यक्ष दिपेश म्हात्रे, टाटा टेलीसर्विसेज के पूर्व अध्यक्ष माधव जोशी ने अपने विचार साझा किए और टाटा जी और घरडा जी के जीवन की घटनाओं का उल्लेख करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी।

रतन टाटा एक असाधारण व्यक्तित्व :दीपेश म्हात्रे

दीपेश म्हात्रे ने अपने भाषण में कहा कि रतन टाटा जी एक असाधारण व्यक्तित्व थे, जिन्होंने महानता और व्यावसायिक कौशल का एक अनुकरणीय उदाहरण स्थापित किया। उनकी दूरदर्शिता ने न केवल औद्योगिक प्रगति में, बल्कि सामाजिक सेवा, शिक्षा, स्वास्थ्य और सेवा में भी बहुत योगदान दिया। उनके नेतृत्व ने लाखों लोगों के जीवन में सुधार किया है। रतन टाटा ने दिखाया है कि व्यावसायिक सफलता और मानवता की सेवा एक ही समय में हासिल की जा सकती है।

रविवार और सोमवार को कसारा स्टेशन पर बिजली ब्लॉक

- 8 सेवाएं दिनांक 20.10.2024 (रविवार) को रद्द रहेंगी
- 22 सेवाएं उपयुक्त स्टेशनों पर शॉर्ट टर्मिनेट / शॉर्ट ओरिजिनेट होंगी

दोपहर संवाददाता । मुंबई

मध्य रेल, मुंबई मंडल कसारा स्टेशन पर प्लेटफॉर्म नंबर 1 के विस्तार और चौड़ीकरण और डाउन यार्ड में 3 आर एंड डी लाइनों के विस्तार हेतु एनआई कार्यों के लिए विशेष यातायात और बिजली ब्लॉक परिचालित करेगा। प्री एनआई कार्य उपलब्ध कॉरिडोर मार्जिन के साथ प्रगति पर हैं और एनआई की योजना रविवार और सोमवार को बनाई गई है।

ब्लॉक की तिथि, अवधि और ट्रैफ़िक ब्लॉक अनुभाग

- दिनांक 20.10.2024 (रविवार) को 03.20 बजे से 21.10.2024 (सोमवार) को 01.20 बजे तक [22 घंटे]
- डाउन लाइन – दिनांक 20.10.2024 (रविवार) को 10.40 बजे से 13.40 बजे तक [3 घंटे]
- अप लाइन – दिनांक 20.10.2024 (रविवार) को 12.40 बजे से 13.40 बजे तक [1 घंटा]
- अप और डाउन लाइनें संयुक्त – दिनांक 20.10.2024 (रविवार) को 19.20 बजे से 21.10.2024 (सोमवार) को 01.20 बजे तक [6 घंटे]

ट्रेन परिचालन पर प्रभाव

अप और डाउन लाइनों के दौरान संयुक्त रूप से

- दिनांक 20.10.2024 (रविवार) को 19.20 बजे से 21.10.2024 (सोमवार) को 01.20 बजे तक [6 घंटे]

ट्रेन सेवाओं का रद्दीकरण

- 11012 धुले-सीएसएमटी एक्सप्रेस
- 11011 सीएसएमटी-धुले एक्सप्रेस

शॉर्ट टर्मिनेशन (यात्रा समाप्ति)

- 12140 नागपुर-सीएसएमटी सेवाग्राम एक्सप्रेस यात्रा आरंभ की तिथि 19.10.2024 को नासिक रोड पर शॉर्ट टर्मिनेट किया जाएगा
- 12187 जबलपुर-सीएसएमटी गरीबरथ एक्सप्रेस यात्रा आरंभ की तिथि 19.10.2024 को मनमाड में शॉर्ट टर्मिनेट किया जाएगा

शॉर्ट ओरिजिनेशन-

- 12139 सीएसएमटी-नागपुर सेवाग्राम एक्सप्रेस यात्रा आरंभ की तिथि 20.10.2024 को नासिक रोड से 18.30 बजे शॉर्ट ओरिजिनेट किया जाएगा (सीएसएमटी-नासिक रोड के बीच रद्द)
- 12188 सीएसएमटी-जबलपुर गरीबरथ एक्सप्रेस यात्रा आरंभ की तिथि 20.10.2024 को मनमाड से 17.55 बजे शॉर्ट ओरिजिनेट किया जाएगा (सीएसएमटी-मनमाड के बीच रद्द)

दो बजे
दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

अनमोल विचार अंत में हमेशा सत्य की जीत होगी : जेसी हेल्म्स

धनंजय मुंडे की पत्नी की कार का एक्सीडेंट

दुर्घटना में बाल-बाल बचीं

पुणे। पुणे की एक सनसनीखेज खबर के अनुसार महाराष्ट्र सरकार के मंत्री धनंजय मुंडे की पत्नी की कार आज गुरुवार सुबह सोलापुर-पुणे रोड पर एक निजी बस से टकरा गई। हालांकि इस हादसे में वह बाल-बाल बच गईं हैं। घटना पर उरुली कंचन पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि सोलापुर-पुणे राजमार्ग पर सोरतापवाड़ी के पास आज सुबह करीब पांच बजे यह दुर्घटना हुई। पुलिस ने बताया, जैसे ही निजी बस की गति कम हुई तो पीछे से कार उससे टकरा गई, जिससे मामूली दुर्घटना हो गई। इस हादसे में राजश्री मुंडे सुरक्षित बच गईं हैं। जानकारी दें कि अजीत पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता धनंजय मुंडे राज्य कृषि विभाग का प्रभार संभाल रहे हैं।

'लेबनान फिलिस्तीन पर हैशटैग, बांग्लादेश हिंदुओं पर चुप्पी'

बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी का विपक्ष पर हमला

दोपहर संवाददाता । मुंबई

पिछले दिनों बांग्लादेश में हिंदुओं पर हुए हमले पर कांग्रेस की चुप्पी पर बीजेपी ने विपक्ष पर बड़ा हमला बोला है।बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए केंद्र सरकार की उपलब्धियों को गिनाते हुए विपक्ष पर निशाना साधा। उनके निशाने पर चुनावी राज्य महाराष्ट्र के विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाड़ी था। बीजेपी प्रवक्ता ने महाराष्ट्र का जिक्र करते हुए कहा कि एनडीए सरकार के नेतृत्व में राज्य ने विकास के नए कीर्तिमान स्थापित किए। महायुति सरकार के प्रयासों के चलते राज्य में रिकॉर्ड निवेश आया है। उन्होंने उद्धव ठाकरे पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी सरकार में राज्य में कोई नया निवेश नहीं आया, यहां तक कि जो निवेश पहले से था वह भी प्रदेश छोड़कर जा रहे थे। बीजेपी प्रवक्ता ने केंद्र सरकार की तारीफ करते हुए कहा कि पूर्व की कांग्रेस सरकार में पूरे देश में आतंकवादी हमले होते रहते थे। महाराष्ट्र में पहले पुणे, मुंबई, नासिक में हमले होते थे, लेकिन जब से केंद्र में नरेंद्र मोदी की सरकार आई है, देश में आतंकवाद की घटनाएं लगभग खत्म हो गई हैं। अब ये घटनाएं जम्मू-कश्मीर के 4-5 जिलों में सीमित हो गई हैं।

राज्य के स्वाभिमान के लिए काम

केंद्र सरकार और महाराष्ट्र सरकार को महाराष्ट्र के हित और स्वाभिमान के लिए काम करने का श्रेय देते हुए कहा कि दोनों सरकारों के प्रयास का ही नतीजा था कि नेवी ने सिंधुदुर्ग में एक्साइज की। बीजेपी नेता ने राज्य के विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाड़ी पर निशाना साधते हुए कहा कि बकरूदीन अजमल के बयान पर कोई प्रतिक्रिया क्यों नहीं दे रहा है। राष्ट्रीय सुरक्षा और राष्ट्रीय स्वाभिमान के मुद्दे पर महा विकास आघाड़ी वाले कुछ नहीं बोलेंगे, क्योंकि इससे वोट बैंक पर चोट पहुंचेगी। विपक्ष के बहराइच की घटना पर चुप्पी पर सवाल उठाते हुए कहा कि कोई इस पर क्यों नहीं बोल रहा है। सुधांशु ने कहा कि एक तरफ लेबनान, फिलिस्तीन पर ये लोग हैशटैग चलाते हैं, लेकिन देश के अंदर की घटनाओं और बांग्लादेश में हिंदुओं पर चुप्पी साध लेते हैं।

सामाजिक समरसता है प्राथमिकता

बीजेपी प्रवक्ता ने मोदी सरकार की सामाजिक योजनाओं को गिनाते हुए कहा कि केंद्र सरकार पूरे देश में सामाजिक समरसता लाने के लिए काम कर रही है। सरकार ने बाबा साहेब अंबेडकर से जुड़ी हर जगह के विकास के लिए प्रयास किए हैं। सरकार की मंशा है कि देश में ज्यादा से ज्यादा लोग बाबा साहेब से जुड़ी जगहों को देखें। सरकार ने लंदन में उनके घर को खरीदकर उसे एक पर्यटन स्थल में परिवर्तित कर दिया है। महाराष्ट्र सरकार की लाडली बहन योजना की तारीफ करते हुए कहा कि इस योजना से महिलाओं के सशक्तिकरण में सहयोग मिला है। महाराष्ट्र सरकार के यात्रा में महिलाओं को छूट देने के फैसले पर कहा कि इससे महिलाओं को तो फायदा हुआ ही है, इसके साथ ही राज्य में घाटे में जा रही ट्रांसपोर्ट को लाभ में ला दिया है।

प्रदेश प्रवक्ता कार्यशाला का राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने किया मार्गदर्शन

बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने भाजपा प्रदेश प्रवक्ता एवं जिला प्रचार प्रमुख की कार्यशाला का मार्गदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने सलाह दी कि प्रवक्ताओं को अपनी सरकार के कामकाज और पार्टी की भूमिका को प्रभावी ढंग से पेश करना चाहिए। कार्यशाला में राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रेम शुक्ला, अतुल भातखलकर, प्रदेश मुख्य प्रवक्ता केशव उपाध्याय, संयुक्त मुख्य प्रवक्ता विश्वास पाठक, राष्ट्रीय मीडिया समन्वयक के। के। उपाध्याय, प्रदेश मीडिया विभाग के प्रमुख नवनाथ बाण, प्रवक्ता ओमप्रकाश चौहान सहित अन्य उपस्थित थे।

एनसीपी ने शुरू किया 'कैंडिडेट कनेक्ट' अभियान

मतदाताओं को उम्मीदवारों से जोड़ने की पहल

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) ने 'कैंडिडेट कनेक्ट' अभियान शुरू किया है। जिसका उद्देश्य उम्मीदवारों को मतदाताओं से जोड़ना है। इस अभियान के तहत उम्मीदवारों की व्यक्तिगत वीडियो क्लिप्स साझा की जा रही हैं, जिनमें उनके राजनीतिक सफर और विकास कार्यों को उजागर किया जा रहा है। इस अभियान के माध्यम से पार्टी मतदाताओं को अपने उम्मीदवारों और उनके निर्वाचन क्षेत्रों में किए गए विकास कार्यों से अवगत कराना चाहती है। उपमुख्यमंत्री और एनसीपी अध्यक्ष अजित पवार ने इस अभियान को अपने सोशल मीडिया हैंडल्स के जरिए लॉन्च किया।

उम्मीदवार साझा कर रहे वीडियो क्लिप्स

इस अभियान के तहत पार्टी ने उम्मीदवारों के वीडियो क्लिप्स साझा करने शुरू किए हैं, जिनमें वे अपनी जीवन यात्रा, व्यक्तिगत किस्से, रुचियों, राजनीतिक सफर, और अजित पवार द्वारा उनके क्षेत्र में किए गए जनकल्याण कार्यों के बारे में बताते हैं, साथ ही अजित पवार के नेतृत्व के बारे में भी चर्चा करते हैं। पांच मिनट लंबे वीडियो में उम्मीदवार अपने दोस्तों और परिवार के साथ बिताए खास पलों और यादगार घटनाओं को भी साझा करते हैं। चिपलून विधानसभा क्षेत्र के विधायक शेखर निकम से संबंधित एक वीडियो साझा करते हुए, अजित पवार ने उन्हें 'जनता का सच्चा प्रतिनिधि' बताया।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड

शुभम लोनकर के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी

दोपहर संवाददाता । मुंबई

NCP नेता बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में मुंबई पुलिस लगातार छापेमारी कर आरोपियों की धरपकड़ में जुटी हुई है। इस मामले में अब तक चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इसी क्रम में आज गुरुवार को मुंबई पुलिस ने मामले में एक फरार आरोपी शुभम लोनकर के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया है। इससे पहले मुंबई क्राइम ब्रांच ने हरीश कुमार निषाद को बीते मंगलवार को उत्तर प्रदेश के बहराइच से गिरफ्तार किया गया था। मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि वह इस हाई प्रोफाइल हत्याकांड के आरोपियों की लगातार तलाश कर रही है और इसी क्रम में फरार आरोपी शुभम लोनकर के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया गया है।

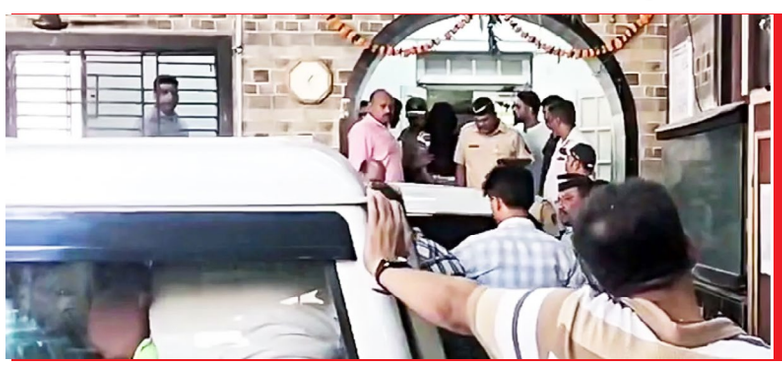

मामले से जुड़े 4 आरोपी गिरफ्तार

बता दें कि मुंबई क्राइम ब्रांच ने बाबा सिद्दिकी हत्याकांड में अब तक 4 संदिग्धों हरियाणा निवासी गुरमेल बलजीत सिंह, उत्तर प्रदेश निवासी धर्मराज राजेश कश्यप, पुणे निवासी सह-साजिशकर्ता प्रवीण लोनकर और हरीश कुमार निषाद को गिरफ्तार किया है। निषाद को बीते मंगलवार को ही उत्तर प्रदेश के बहराइच से गिरफ्तार किया गया। इससे पहले, पुलिस ने चौथे आरोपी की पहचान हरीश कुमार बालकराम के रूप में की थी। संदिग्ध 'हैंडलर' मोहम्मद जिशान अख्तर भी मामले में वांछित है।

पूरी प्लानिंग से वारदात को दिया अंजाम

मामले की जांच में अब तक पुलिस को पता चला है कि पूर्व मंत्री की हत्या की साजिश पुणे में ही रची गई थी। हमलावरों को टारगेट की पहचान के लिए एक तस्वीर और एक 'फ्लैक्स बैनर भी दिया गया था। महज थोड़े से पैसों के लिए हमलावरों से इस घटना को अंजाम दिया जिसके लिए वे कई दिनों से प्लानिंग और तैयारी कर रहे थे। वारदात को अंजाम देने के लिए हमलावरों ने कई बार नेता के घर की रेकी भी की।

पूरा मामला : बता दें कि बीते शनिवार रात 9:15 से 9:30 बजे के बीच निर्मल नगर में बाबा सिद्दीकी के विधायक बेटे जीशान सिद्दीकी के कार्यालय के बाहर बाबा सिद्दीकी पर हमला हुआ था। तीन हमलावरों ने उन्हें घेरकर उनपर छह राउंड गोलियां चलाई थी जिनमें से दो गोलियां उनकी छाती पर लगीं। इससे उनकी मौत हो गई। इस हाई प्रोफाइल हत्याकांड के बाद बॉलीवुड से लेकर राजनीति के गलियारों में हड़कंप मचा हुआ है।

यौन उत्पीड़न मामला

एमएसआरटीसी अधिकारी को मिली अग्रिम जमानत

मुंबई। मुंबई की एक अदालत ने महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) के एक अधिकारी को अग्रिम जमानत दे दी है। उस पर पदोन्नति के बदले एक महिला से यौन संबंध बनाने की मांग करने का आरोप है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश शायना पाटिल ने बुधवार को एमएसआरटीसी के उप महाप्रबंधक वीरेंद्र कदम की अग्रिम जमानत याचिका मंजूर कर ली। एमएसआरटीसी में एसोसिएट कंसल्टेंट के तौर पर काम करने वाली 28 वर्षीय महिला ने आरोप लगाया है कि यह घटना 29 मई, 2014 को कदम के केबिन में एक बैठक के बाद हुई। महिला ने दावा किया कि मुख्य चर्चा समाप्त होने के बाद कदम ने बैठक में मौजूद सभी लोगों को बाहर जाने को कहा। उसने दावा किया कि इसके बाद कदम ने चपरासी से चाय और बिस्कुट परोसने को कहा और परियोजना के बारे में बातचीत फिर से शुरू हो गई।

झूठे आरोप में फंसाने का दावा

महिला के अनुसार, कदम ने कहा कि अगर वह उसकी बात माने तो वह उसकी पदोन्नति को तेजी से आगे बढ़ा सकता है। उसकी शिकायत के आधार पर, नागपाड़ा पुलिस ने कदम के खिलाफ मामला दर्ज किया, जिसके बाद उसने अग्रिम जमानत के लिए अदालत का रुख किया।

प्लेटफार्म और ट्रेन के गैप में गिरने से व्यक्ति की जान बचाई

मुंबई। गाड़ी संख्या 11061 डाउन पवन एक्सप्रेस एलटीटी स्टेशन के प्लेटफ़ॉर्म नंबर 04 से 17 अक्टूबर को करीबन 11.40 बजे रवाना होने पर एक यात्री संतोष सहराज यादव (45) चलती ट्रेन में चढ़ने की कोशिश कर रहा था। इसी दौरान ट्रेन में चढ़ते समय कोच के दरवाजे से फिसलकर वह व्यक्ति प्लेटफ़ॉर्म तथा ट्रेन के बीच के गैप में गिर रहा था, उसी समय प्लेटफ़ॉर्म नंबर 04 पर ड्यूटी पर तैनात आरक्षक रामशरण द्वारा समय रहते प्लेटफॉर्म तथा ट्रेन के बीच के गैप में गिर रहे यात्री को तत्परता दिखाते हुए प्लेटफार्म पर खींचा तथा ट्रेन के नीचे जाने से बचाया। यात्री का बिहार के दरभंगा जिले का रहने वाला है। जो एलटीटी से जनरल टिकिट से दरभंगा के लिए यात्रा करने हेतु ट्रेन को पकड़ रहा था। उक्त आरक्षक द्वारा किया गया कार्य बहुत ही सराहनीय है।

हर हफ्ते चलेगी बांद्रा-लालकुआं सुपरफास्ट

मुंबई-उत्तराखंड के बीच बढ़ेगी कनेक्टिविटी

दोपहर संवाददाता । मुंबई

मुंबई से उत्तराखंड और उत्तराखंड से मुंबई आने-जाने वालों के लिए एक अच्छी खबर है। दोनों के बीच कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए लालकुआं से बांद्रा टर्मिनस के बीच साप्ताहिक ट्रेन की घोषणा की गई है। इसके उद्घाटन का पहला फेरा रविवार को मुंबई के बांद्रा टर्मिनस से रवाना भी हुआ। इस ट्रेन के शुरू होने से मुंबई में रहे उत्तराखंड के लोगों में खुशी का माहौल है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक यह ट्रेन साप्ताहिक स्पेशल सुपरफास्ट ट्रेन के रूप में चलेगी जो कोटा से होकर गुजरेगी, जिससे कोटा की कनेक्टिविटी भी महाराष्ट्र, गुजरात, यूपी, दिल्ली व उत्तराखंड से बढ़ेगी। बांद्रा-लालकुआं सुपरफास्ट ट्रेन 21 घंटे के सफर के बाद लालकुआं जंक्शन पहुंचेगी।

लोगों ने सीएम से की थी मांग

बता दें कि पिछले दिनों उत्तराखंड की सीएम पुष्कर सिंह धामी मुंबई प्रवास पर आए थे। इस दौरान यहां रहने वाले उत्तराखंड के लोगों ने मुंबई और उत्तराखंड राज्य के बीच ट्रेन चलाने की मांग की थी जिस पर उन्होंने जल्द ही मांग पूरी करने का आश्वासन दिया था।

ट्रेन चलने से उत्तराखंड के लोगों में खुशी

बांद्रा-लालकुआं सुपरफास्ट चलने से मुंबई में रह रहे उत्तराखंड के निवासियों में जबरदस्त उत्साह का माहौल है। दो दिन पहले बोरीवली में उत्तराखंड के लोगों की ओर से बांद्रा-लालकुआं सुपरफास्ट ट्रेन का स्वागत भी किया गया। कुमाऊं भजन मंडल और मां नंदा सुनंदा भजन मंडल के बैनर मुंबई में रह रहे उत्तराखंडियों ने इस स्वागत समारोह का आयोजन किया था। इस दौरान इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, विधायक मनीषा चौधरी समेत कई लोग मौजूद रहे।

मध्य रेल

अग्निशामक यंत्र एवं अन्य वस्तुओं की आपूर्ति और स्थापना

उप मुख्य सामग्री प्रबंधक, सवारी व मालडिब्बा कारखाना, माटुंगा, मुंबई 400 019. **निविदा संख्या: 85246438. विवरण:** नवीनतम बीआईएस 15683-2018 के अनुसार 6 किलोग्राम क्षमता वाले अग्निशामक यंत्र की आपूर्ति और स्थापना, UL अनुमोदित स्वच्छ गैस के साथ ऑटो मैनुअल रिवर्स स्टेनलेस स्टील वाल्व जिसकी क्षमता 6 किलोग्राम है और स्टेनलेस स्टील से बना है 304 ग्रेड सिलेंडर प्रेशर 14 बार, रेंज 3-4 मीटर, वाल्व बॉडी प्रेशर डाई-कास्ट एसएस-304 अद्वितीय वाल्व लीक प्रुफ डिजाइन के साथ, डिलीवरी विधि नोजल लचीली नली पाइप के साथ, UL सूचीबध्द HFC-23fa स्वच्छ एजेंट, सहायक उपकरण अग्निशामक यंत्र के साथ अकेले हेवी ड्यूटी वॉल माउंटिंग ब्रैकेट, तकनीकी विनिर्देश के अनुसार विनिर्देश के अनुसार रिसाव के लिए 10 साल की वारंटी के साथ स्वच्छ गैस शेल्फ लाइफ। **मात्रा:** 64 Nos. **खोलने के लिए नियत तारीख:** 05/11/2024. **निविदा मूल्य :** ₹ 30,96,320/- मध्य रेल की अधिकारिक वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर निविदा का पूरा विवरण उपलब्ध है. वेबसाइट से सम्पूर्ण दस्तावेज डाउनलोड किए जा सकते हैं.
निविदा नोटिस संख्या: CWE/MTN/85246438/2024 471

खतरनाक व विस्फोटक सामान के साथ यात्रा करना दंडनीय अपराध है

मध्य रेल

उच्च वोल्टेज इन्सुलेशन कोटिंग का प्रावधान

कार्य का विवरण: कल्याण और लोनावला जिलों में एपओबी/आरओबी/ओवरलाइन संरचानोओं/सुरंगों की छत की निचली सतहों पर उच्च वोल्टेज इन्सुलेशन कोटिंग का प्रावधान। **अनुमानित लागत:** ₹ 3,66,00,432/-. **ईएमडी:** ₹ 3,33,000/-. **निविदा प्रपत्र का शुल्क:** ₹ 0.00/-. **समापन अवधि:** 24 महिने। **ई-निविदा जमा करने की अंतिम तिथी एवं अवधि दि. 12/11/2024** को **11.00** बजे है। ई-निविदा की विस्तृत जानकारी रेल की अधिकारीक वेबसाइट **http://www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदा की जानकारी वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (क.वि.), मध्य रेल, कल्याण के **सूचना पट** पर उपलब्ध है।
खुली ई-निविदा संख्या: केवायएनएलडी-583-पीरिव्हे-2024-25-03 472

खतरनाक व विस्फोटक सामान के साथ यात्रा करना दंडनीय अपराध है

नांदेड़ लोकसभा उपचुनाव के लिए कांग्रेस ने उतारा उम्मीदवार

दोपहर संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र की नांदेड़ सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए कांग्रेस ने उम्मीदवार का ऐलान कर दिया है। कांग्रेस ने दिवंगत पार्टी नेत वसंतराव बलवंतराव चव्हाण के बेटे रविंद्र वसंतराव चव्हाण को यहां से टिकट दिया है। वसंतराव चव्हाण के निधन से ही यह सीट खाली हुई थी। आपको बता दें कि बुधवार को कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने संकेत दिए थे कि वसंतराव के बेटे को नांदेड़ से टिकट दिया जा सकता है क्योंकि अभी सिर्फ उनका नाम सुझाया गया है। चिखलीकर ने 2019 में नांदेड़ सीट जीती थी, जिसके बाद भाजपा ने फिर से उनका टिकट काटा लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा। उन्हें वसंतराव के मुकाबले 469452 वोट मिले थे। वसंतराव को 528894 वोट मिले थे। वसंतराव पहली बार लोकसभा के लिए चुने गए थे लेकिन अगस्त में उनका निधन हो गया था। उन्हें हैदराबाद के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

कांग्रेस अध्यक्ष ने लगाई मुहर

कांग्रेस की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने लोकसभा उपचुनाव के लिए रविंद्र वसंतराव चव्हाण को पार्टी का उम्मीदवार बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

नांदेड़ में कभी खुशी तो कभी गम

1952 से 1971 तक नांदेड़ सीट पर कांग्रेस का दबदबा रहा है। हालांकि, यहां से अनुसूचित जाति महासंघ के सांसद भी चुने जाते रहे हैं। 1962 से 1999 तक कभी जनता दल तो कभी कांग्रेस के उम्मीदवार जीतते रहे हैं। 2004 में पहली बार भाजपा के दिगंबर बापूजी पवार पाटिल जीते। लेकिन अगले साल कांग्रेस के उम्मीदवार ने जीत दर्ज की। 2004 से अब तक एक चुनाव में भाजपा और दूसरे में कांग्रेस जीती है। नांदेड़ लोकसभा सीट पर 20 नवंबर को उपचुनाव होंगे, जिस दिन राज्य में विधानसभा चुनाव होने हैं। चुनाव के नतीजे 23 नवंबर को घोषित किए जाएंगे। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या रवींद्र वसंतराव चव्हाण अपने पिता की विरासत संभाल पाएंगे या कोई और यहां जीतेगा?

पश्चिम रेलवे ने बांद्रा टर्मिनस लालकुआं के बीच साप्ताहिक सुपरफास्ट ट्रेन शुरू की

ट्रेन संख्या	प्रारंभिक स्टेशन और गंतव्य	प्रस्थान	आगमन
22543	बांद्रा टर्मिनस - लालकुआं (साप्ताहिक)	11:00 बजे (मंगलवार)	13.15 बजे (अगले दिन)
22544	लालकुआं - बांद्रा टर्मिनस (साप्ताहिक)	07:45 बजे (सोमवार)	08:30 बजे (अगले दिन)

ठहराव: बोरीवली, वापी, सूरत, वडोदरा, रतलाम, कोटा, सवाई माधोपुर, भरतपुर, मथुरा, हजरत निजामुद्दीन, गाजियाबाद, हापुड़, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर और रुद्रपुर सिटी स्टेशन दोनों दिशाओं में।

संरचना: एसी 2 टियर, एसी 3 टियर, एसी 3 इकॉनमी और स्लीपर क्लास कोच।

रुकने के समय और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए, यात्री कृपया **www.enquiry.indianrail.gov.in** पर जा सकते हैं।

ट्रेन संख्या 22543 की बुकिंग 18.10.2024 से सभी पीआरएस काउंटर और IRCTC वेबसाइट पर शुरू होगी।

पश्चिम रेलवे
www.wr.indianrailways.gov.in
हमें लाइक करें : facebook.com/WesternRly
हमें फॉलो करें : twitter.com/WesternRly

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के लिए मूल पहचान पत्र साथ लाएँ

संपादकीय

घाटी में महका लोकतंत्र

आखिरकार तमाम ऊहापोह, सुरक्षा चुनौतियों तथा विदेशी दखल की तमाम आशंकाओं को निर्मूल करते हुए जम्मू-कश्मीर के जनमानस ने स्पष्ट सरकार बनाने का जनादेश दिया है। जनता ने विकास और शांति की आकांक्षा के साथ दिल खोलकर मतदान किया और अपनी उम्मीदों की सरकार चुनी है। घाटी में दशकों तक अब्दुल्ला परिवार के शासन के अनुभव के मद्देनजर घाटी के लोगों ने नेशनल कॉन्फ्रेंस पर भरोसा जताया। बुधवार को उमर अब्दुल्ला ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उनकी सार्थक पहल यह रही कि उन्होंने जम्मू-कश्मीर की राजनीति के दो ध्रुव बने कश्मीर घाटी व जम्मू क्षेत्र के जनमानस को साथ लेकर चलने का संकल्प दोहराया है। इस कड़ी में उमर अब्दुल्ला ने सुरिंदर चौधरी को राज्य का उप मुख्यमंत्री नियुक्त किया है। उमर ने कहा भी कि 'चौधरी को मैंने इसलिए उप मुख्यमंत्री बनाया, ताकि जम्मू के लोगों को महसूस हो सके कि उनकी भी राज्य की सत्ता में घाटी जितनी भागीदारी है। आगे भी ऐसे ही प्रयास होते रहेंगे।' निस्संदेह, यह सकारात्मक राजनीति का उज्ज्वल पक्ष है, सबको साथ लेकर आगे बढ़ने का। उल्लेखनीय है कि सुरिंदर चौधरी जम्मू से चुनकर आए हैं। नौशेरा से विधायक बने सुरिंदर चौधरी ने विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के प्रांत अध्यक्ष रवींद्र रैना को हराया था। बहरहाल, भले ही अब अनुच्छेद 370 की समाप्ति के बाद जम्मू-कश्मीर विधानसभा का स्वरूप पहले जैसा नहीं रह गया, लेकिन इसके बावजूद जम्मू-कश्मीर के लोगों ने स्पष्ट जनादेश देकर एक स्थिर सरकार की बुनियाद जरूर रखी है। केंद्र शासित प्रदेश में एक दशक बाद हुए विधानसभा चुनाव में मतदाताओं का खासा उत्साह नजर आया। कहीं न कहीं जनता ने स्पष्ट संदेश भी दिया कि वे आतंकवाद व अलगाववाद से छुटकारा चाहते हैं। जाहिरा तौर पर नई सरकार के सामने व्यापक जनाकांक्षाओं को पूर्ण करने की चुनौती होगी। यह दायित्व सरकार को इस बात को ध्यान में रखकर निभाना होगा कि केंद्रशासित प्रदेश में उपराज्यपाल के पास व्यापक अधिकार हैं। बहरहाल, ऐसे में नवनिर्वाचित सरकार और केंद्र का दायित्व है कि घाटी के लोगों ने जिस मजबूत लोकतंत्र की आकांक्षा जतायी है, उसे पूरा करने में भरपूर सहयोग करें। एक समय राज्य में मतदाता डर के मारे मतदान करने हेतु नहीं निकलते थे। मतदान का प्रतिशत बेहद कम रहता था। इस बार मतदाता निर्भीकता के साथ मतदान करने निकले। जनता ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने के संकल्प को सकारात्मक प्रतिसाद दिया है। यद्यपि लोकसभा चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस को कामयाबी नहीं मिल पायी थी, लेकिन जनता ने उन्हें राज्य में सरकार चलाने का स्पष्ट जनादेश दिया है। वहीं दूसरी ओर, इस भारी मतदान व स्पष्ट बहुमत का एक निष्कर्ष यह भी है कि लोग घाटी में शांति और सुकून चाहते हैं। जम्मू-कश्मीर सरकार और केंद्र सरकार को मिलकर प्रयास करना होगा कि इस क्षेत्र में शांति कायम होने के साथ विकास की नई बयार चले। जिसमें आम नागरिक खुद को सुरक्षित अनुभव करते हुए राष्ट्रीय विकास की धारा के साथ-साथ कदमताल कर सके। बहरहाल, जम्मू-कश्मीर में नई सरकार को व्यापक जनाकांक्षाओं को पूर्ण करते हुए बदली हुई शासन व्यवस्था के साथ भी साम्य स्थापित करना है। इस बात का अहसास उमर अब्दुल्ला को भी है कि शासन चलाने में अब पहले जैसी स्वतंत्रता नहीं होगी क्योंकि राज्यपाल के पास व्यापक शक्तियां हैं। विश्वास किया जाना चाहिए कि कम से कम सीमावर्ती घाटी की संवेदनशीलता को देखते हुए इस केंद्रशासित प्रदेश में वैसा टकराव देखने को नहीं मिलेगा, जैसा कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार और एलजी के बीच देखने को मिलता रहा है। उम्मीद की जानी चाहिए कि नये मुख्यमंत्री को कानून व्यवस्था से लेकर अन्य प्रशासनिक मामलों में एलजी के आगे लाचार नहीं होना पड़ेगा। विश्वास करें कि नई सरकार को प्रशासनिक मामलों में नौकरशाही का पर्याप्त सहयोग मिलता रहेगा। नीति-नियंताओं को ध्यान रखना होगा कि सरकार चलाने में किसी भी तरह का अनावश्यक व्यवधान कालांतर अशांति का वाहक बनेगा। उम्मीद करें कि यथाशीघ्र पूर्ण राज्य का दर्जा मिलने के बाद जम्मू-कश्मीर में प्रशासन की विसंगतियां दूर की जा सकेंगी।

एग्जिट पोल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने की चुनौती

प्रमोद भार्गव

निर्वाचन आयोग ने 288 विधानसभा सीटों वाले महाराष्ट्र और 81 विधानसभा सीटों वाले झारखंड में चुनाव की घोषणा की है। महाराष्ट्र में 20 नवंबर को एक चरण में मतदान होगा, जबकि झारखंड में दो चरणों में 13 और 20 नवंबर को मतदान होगा। चुनाव परिणाम 23 नवंबर को घोषित किए जाएंगे। साथ ही, 15 राज्यों की 48 विधानसभा और दो लोकसभा सीटों पर उपचुनाव भी होंगे, जिनके नतीजे उसी दिन आएंगे। केरल की वायनाड लोकसभा सीट से कांग्रेस ने प्रियंका वाड्रा को उम्मीदवार घोषित किया है, यह सीट राहुल गांधी के इस्तीफे के बाद खाली हुई है। इसी क्रम में उल्लेखनीय है कि मुख्य चुनाव आयुक्त ने मीडिया से एग्जिट पोल पर जिम्मेदारी से काम करने का आह्वान किया और ईवीएम को मतदान के लिए सुरक्षित बताया है। दरअसल, जम्मू-कश्मीर और हरियाणा के चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद से ही ईवीएम पर सवाल उठने लगे थे। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा कि 'एग्जिट पोल' का कोई अर्थ नहीं है। हाल के चुनावों में जो रुझान टीवी चैनलों में दिए गए वे आधारहीन थे। जब आयोग की वेबसाइट पर साढ़े 9 बजे पहला रुझान दिया जाता है तो फिर टीवी चैनल मतगणना शुरू होने के 10-15 मिनट में कैसे रुझान शुरू कर सकते हैं? असल में, चैनल रुझान दिखाकर सिर्फ अपना एग्जिट पोल सही ठहराने का प्रयास करते हैं। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव के एग्जिट पोल अनुमानों के विपरीत निकले। इधर, हाल ही में जम्मू-कश्मीर और हरियाणा में हुए विधानसभा चुनाव के अनुमान भी उल्टे पड़े। जो हरियाणा में कांग्रेस की भारी बहुमत से जीत दिखा रहे थे, लेकिन भाजपा ने 49 सीटें जीत बहुमत हासिल कर लिया। विपक्ष ने एग्जिट पोल के आधार पर ईवीएम के जरिये सवाल खड़े कर दिए। ऐसे में अकसर आरोप लगते हैं कि विपक्ष वहां तो हल्ला करता है, जहां उसकी हार हो, लेकिन वहां शांत रहता है, जहां से उसे जीत मिलती है।

लोकसभा चुनाव में मतदाताओं ने सात चरणों में अपने मत दिए। हालांकि, 2019 की तुलना में मतदान कम रहा। चुनावी विश्लेषक कम मतदान को सत्तारूढ़ दल के विरोध में मतदाता की भावना के रूप में देखते हैं, और यही आधार एग्जिट पोल के अनुमानों का भी होता है। मतदान के बाद एग्जिट पोल सर्वेक्षणों ने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और मोदी-शाह की जोड़ी रणनीतिक सफलता हासिल करने जा रही है। एग्जिट पोल अनुमानों में व्यक्त किया गया कि मोदी की आक्रामक शैली ने समुदाय विशेष के मतदाताओं को पूरे देश में ध्रुवीकृत करने में अहम भूमिका निभाई। वहीं, कांग्रेस और उसके सहयोगी दल चुनाव के दौरान एक अन्य समुदाय विशेष की तुष्टिकरण की राजनीति करते रहे। मसलन, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में पिछड़े वर्ग के आरक्षण में मुसलमानों को शामिल करने का कदम। मोदी ने इस मुद्दे को उठाकर न केवल इन राज्यों में, बल्कि पूरे देश में पिछड़े और अतिपिछड़े वर्ग के मतदाताओं को उनके हकों के प्रति जागरूक किया। नतीजतन, इस वर्ग के मतदाताओं ने राजग को भरपूर वोट दिए। कहा गया कि पीएम मोदी ने इस मुद्दे का लाभ बंगाल में भी उठाया। इसी का परिणाम है कि 2019 में मिलीं 18 सीटों की तुलना में भाजपा को यहां 21 से 28 सीटें मिलने तक का अनुमान बताया था। राम मंदिर, अनुच्छेद 370 और तीन तलाक जैसे मुद्दों ने सभी वर्ग के मतदाताओं को लुभाया है।

एग्जिट पोल अनुमानों में कहा गया कि लाडली बहना, मुफ्त राशन, मुफ्त आवास, आयुष्मान योजना जैसी योजनाओं से मिले लाभ के चलते ग्रामीण मतदाता राजग के पक्ष में दिखाई दिया है। स्त्री मतदाता मोदी को चुनने में आगे दिखाई दे रही हैं। परंतु परिणाम आने के बाद मीडिया की ये मुनादियां गलत साबित हुईं।

वर्ष 2019 की तुलना में वोटिंग कम रहने के बावजूद औसत मतदान 62 प्रतिशत से ऊपर रहा था। ये सर्वे यदि 4 जून को आने वाले वास्तविक नतीजों पर खरे उतरते तो राजग गठबंधन स्पष्ट बहुमत में आ जाता। यही नहीं, ऐसा होता तो लोकसभा में बहुमत के लिए राजग को सहयोगियों की जरूरत नहीं पड़ती।

ये अनुमान जता रहे थे कि दलित, वंचित और वनवासी मतदाताओं का जातिगत मतदान से मोहभंग हो रहा है और वे क्षेत्रीय संकीर्णता से मुक्त हो रहे हैं। एग्जिट पोल के चुनावी विशेषज्ञ बता रहे थे कि धर्मनिरपेक्षता के पैरोकारों पर सनातन-सांस्कृतिक राष्ट्रवाद हावी रहा है। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल के प्रमुखों की ओर से रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा का आमंत्रण ठुकराने का असर भी मतदाता पर पड़ा है। लगता है, अब छद्म धर्मनिरपेक्षता का आवरण टूट रहा है। केवल बंगाल में ममता बनर्जी मुस्लिम मतदाताओं के तुष्टिकरण के लिए इसका सहारा ले रही हैं। गौरतलब है कि इस बार भाजपा ने बंगाल को केंद्रित करके हमलावर रणनीति अपनाई है। नतीजतन, कभी वामपंथी रहे लोग अब भाजपा में शामिल होकर उसकी प्रशंसा कर रहे हैं। यह भी कि ऐसे लोगों ने जहां भाजपा को मजबूती दी है, वहीं कम्युनिस्टों के इस गढ़ को बिल्कुल कमजोर करने का काम भी किया है।

एग्जिट पोल के जानकारों का कहना था- एक बार फिर यह मिथक बनता दिखाई दे रहा है कि उत्तर प्रदेश की राजनीतिक जमीन से ही प्रधानमंत्री का पद सृजित होगा। इसी मिथक को पुनर्स्थापित करने के लिए मोदी बनारस से चुनाव लड़े हैं। मोदी की यहां आमद ने पूरे पूर्वांचल को भगवा रंग में रंग दिया है। नतीजतन, भाजपा यहां सर्वेक्षणों के अनुसार अच्छी स्थिति में है।

यह भी कहा कि स्पष्ट लग रहा है, जवाहरलाल नेहरू के बाद नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने वाले हैं। किंतु परिणाम के बाद देखा कि उ.प्र. और बंगाल में मतदाता ने भाजपा को बड़ा झटका दिया और एग्जिट पोल के अनुमान धराशायी हुए। ऐसे में मुख्य चुनाव आयुक्त का बयान कि एग्जिट पोल व्यर्थ की कवायद है, एक हद तक सही कहा जा सकता है।

जीवन मंत्र

जरूरी है भीतरी आजादी

आक्रामकता चाहे जानवर से प्राप्त हुई हो या समाज से यह अप्रासंगिक है, तथ्य यही है कि हम आक्रामक हैं, क्रूर हैं, हम दूसरे के सुझावों, दृष्टिकोणों, विचारों, परीक्षणों को निष्पक्षता से देखने में असमर्थ हैं। 'कंडीशनिंग' ही हमें एक आत्मकेंद्रित इंसान बनाती है...

हमारे मानव जीवन का आवश्यक प्रश्न, आवश्यक मुद्दा क्या है? आपके लिए जीवन की एकमात्र चुनौती क्या है, जिसका जवाब दिया जाना चाहिए? तमाम वक्ता आपको बताएंगे कि केंद्रीय मुद्दा क्या है। कृपया उनसे सहमत या असहमत न हों। इसकी जांच करें; देखें कि यह सच है या झूठ? यह पता लगाने के लिए कि सत्य क्या है, आपको न सिर्फ इसे वस्तुपरक तरीके से, बल्कि आलोचनात्मक रूप से गहराई से देखना चाहिए। इसे आप उसी रुचि से देखें, जैसे आपके जीवन में कोई संकट आता है, आपके अस्तित्व को चुनौती मिलती है और आप उसे देखते हैं।

दरअसल, केंद्रीय मुद्दा मनुष्य की पूर्ण स्वतंत्रता है; पहले मनोवैज्ञानिक रूप से, आंतरिक रूप से, फिर बाह्य रूप से। बाहरी और भीतरी के बीच कोई विभाजन नहीं है, पर स्पष्टता के लिए व्यक्ति को पहले आंतरिक स्वतंत्रता को समझना चाहिए। इस दुनिया में रहने वाले इंसानों की एकमात्र चुनौती है- स्वतंत्रता, क्योंकि अगर अंदर आजादी नहीं हो, तो अराजकता शुरू हो जाती है। इंसान के अंदर

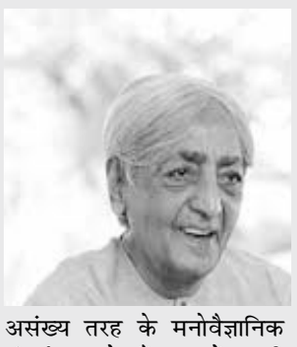

असंख्य तरह के मनोवैज्ञानिक संघर्ष चलते हैं, उसमें गहरी अंतरदृष्टि की कमी है, और यही सब चीजें खुद को बाह्य रूप में अभिव्यक्त करती हैं। यह किसी राजनीतिक दल से, साम्यवाद या पूंजीवाद से, किसी धर्म से संबंधित नहीं है। यहीं गौर कीजिए, जब आप गाड़ी चला रहे हों, तब आपको संबंधित देश के कानूनों का पालन करना होगा। लेकिन पालन करने का निर्णय, अनुपालन का वह फैसला आंतरिक स्वतंत्रता से आता है। बाहरी कानून असल में आंतरिक स्वतंत्रता की स्वीकृति है। मुझे लगता है कि यही मुख्य मुद्दा है। हम मनुष्य चूंकि स्वतंत्र नहीं हैं, इसलिए जिस संस्कृति में रहते हैं, उससे बहुत अधिक प्रभावित होते हैं। सामाजिक परिवेश, धर्म, सेना या राजनेताओं के निहित स्वार्थों या इस-उस वैचारिक प्रतिबद्धता से प्रभावित होते हैं, जिसे हमने खुद को समर्पित कर दिया है। इसलिए हम सब मनुष्य के रूप में 'कंडिशंड' हैं और अनुकूलित होकर हम आक्रामक हैं।

समाजशास्त्री, मानवविज्ञानी और अर्थशास्त्री इस आक्रामकता की व्याख्या कर रहे हैं। उनके पास दो सिद्धांत हैं- या तो यह आपको जानवर से विरासत में मिली है, या समाज आपको आक्रामक होने के लिए मजबूर करता है, जो इंसानों की रचना है।

प्रस्तुति: जे कृष्णमूर्ति

शख्सियत

ओम पुरी

एक बहुमुखी अभिनेता

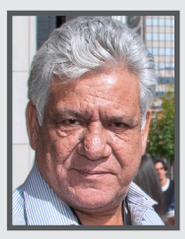

ओम पुरी एक प्रसिद्ध भारतीय अभिनेता थे, जिन्हें भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय सिनेमा दोनों में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए जाना जाता है। 18 अक्टूबर, 1950 को हरियाणा के अंबाला में जन्मे, वे एक साधारण परिवार में पले-बढ़े। उनके शुरुआती जीवन को उनके माता-पिता के संघर्षों ने आकार दिया, जिसने उन्हें एक मजबूत कार्य नैतिकता और अभिनय के प्रति जुनून दिया।

ओम पुरी की अभिनय की यात्रा दिल्ली के राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय से शुरू हुई, जहाँ उन्होंने अपने कौशल को निखारा। उन्होंने 1976 की फिल्म घासीराम कोतवाल से अपनी फ़िल्मी शुरुआत की, लेकिन आक्रोश (1980) में उनकी भूमिका ने उन्हें सुर्खियों में ला दिया। गोविंद निहलानी द्वारा निर्देशित इस फ़िल्म में उनके दमदार अभिनय को दिखाया गया और उन्हें आलोचकों की प्रशंसा मिली। इन वर्षों में, उन्होंने अर्ध सत्य (1983), जाने भी दो यारो (1983), और सिटी ऑफ़ जॉय (1992) सहित कई प्रतिष्ठित फ़िल्मों में काम किया, जिसने एक प्रतिभाशाली अभिनेता के रूप में उनकी प्रतिष्ठा को मजबूत करने में मदद की।

पुरी अपनी बहुमुखी प्रतिभा के लिए जाने जाते थे, जो गंभीर भूमिकाओं और हास्य भूमिकाओं के बीच सहजता से बदलाव करते थे। उन्होंने सत्यजीत रे और रिचर्ड एटनबरो जैसे प्रसिद्ध फिल्म निर्माताओं के साथ भी काम किया, जिससे उन्हें अंतर्राष्ट्रीय मंच पर पहचान मिली। हेलेन मिरेन के साथ द हंड्रेड-फुट जर्नी (2014) में उनके अभिनय ने उनकी वैश्विक अपील को और भी बेहतर तरीके से दर्शाया।

अपने फ़िल्मी करियर के अलावा, ओम पुरी थिएटर और टेलीविज़न में भी सक्रिय रूप से शामिल थे। उन्होंने 1990 में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के लिए राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कार और भारत के चौथे सबसे बड़े नागरिक पुरस्कार पद्म श्री सहित कई पुरस्कार जीते। उनकी विरासत जटिल किरदारों को गहराई और प्रामाणिकता के साथ चित्रित करने की उनकी क्षमता से चिह्नित है।

भारतीय सिनेमा पर ओम पुरी का प्रभाव निर्विवाद है। 6 जनवरी, 2017 को उनका निधन हो गया, और वे अपने पीछे यादगार प्रदर्शनों की एक समृद्ध विरासत छोड़ गए। उनका योगदान महत्वाकांक्षी अभिनेताओं को प्रेरित करता है और दुनिया भर के दर्शकों का मनोरंजन करता है, जिससे वे फ़िल्म उद्योग में एक सच्चे लीजेंड बन गए हैं।

जीवन ऊर्जा

जेसी हेल्म्स : जन्म 18 अक्टूबर, 1921

जन्म

अंत में हमेशा सत्य की जीत होगी

जेसी हेल्म्स एक प्रमुख अमेरिकी राजनीतिज्ञ और उत्तरी कैरोलिना से अमेरिकी सीनेटर थे, जो 1973 से 2003 तक सेवारत रहे। एक कट्टर रूढ़िवादी, उन्होंने पारंपरिक मूल्यों, सीमित सरकार और एक मजबूत राष्ट्रीय रक्षा का समर्थन किया। अपने विवादास्पद विचारों के लिए जाने जाने वाले, उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान अमेरिकी राजनीति और मीडिया को काफी प्रभावित किया। जेसी हेल्म्स का जन्म 18 अक्टूबर, 1921 को हुआ था और उनका निधन 4 जुलाई, 2008 को हुआ था।

सुने जाने के अधिकार में स्वतः ही गंभीरता से लिए जाने का अधिकार शामिल नहीं है। स्वतंत्रता सबसे संक्रामक बीमारी है जिसे मैं जानता हूँ। मुझे किसी को भी अपने बारे में कुछ भी समझाने की ज़रूरत नहीं है।

मेरा मानना है कि जीवन गर्भाधान से शुरू होता है। एक व्यक्ति एक व्यक्ति है चाहे वह कितना भी छोटा क्यों न हो। मीडिया लोगों का प्राथमिक दुश्मन बन गया है। हमें व्यक्ति के बारे में सोचना बंद कर देना चाहिए और समाज के लिए सबसे अच्छा क्या है, इस बारे में सोचना शुरू कर देना चाहिए। अगर आपको मेरी बात पसंद नहीं है, तो मैं बात करना बंद कर दूँगा। परिवार हमारे समाज की सबसे महत्वपूर्ण

संस्था है।हम स्वतंत्र और खुली चर्चा कर सकते हैं, लेकिन हमें ऐसा सभ्य तरीके से करना चाहिए। किसी को भी दूसरे व्यक्ति के जीवन की पवित्रता का उल्लंघन करने का अधिकार नहीं है। हमें अपने विश्वास के लिए खड़े होने के लिए तैयार रहना चाहिए, भले ही वह अलोकप्रिय हो। मैं कायर बनने के बजाय कुछ भी नहीं बनना पसंद करूंगा।

हमारा देश संकट में है, और हमें उस वास्तविकता का सामना करने की आवश्यकता है। मैं विवाह की पवित्रता में दृढ़ विश्वास रखता हूं। हमें अपने संस्थापक पिताओं के मूल्यों को बनाए रखना चाहिए। आप दुनिया को अपने नैतिक मानकों को निर्धारित करने नहीं दे सकते। अंत में हमेशा सत्य की जीत होगी। हमें अपने विश्वासों का बचाव करने से कभी नहीं कतराना चाहिए। मुफ्त भोजन जैसी कोई चीज नहीं है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

रावण शिवभक्त विद्वान ही नहीं अति मानववादी भी था

(भाग 1)

वाल्मीकि रामायण और तुलसीकृत रामायण में इस कथा का वर्णन नहीं है पर तमिल भाषा में लिखी महर्षि कम्बन की रामावतारम में यह कथा है। रावण केवल शिवभक्त विद्वान एवं वीर ही नहीं अति मानववादी भी था। उसे भविष्य का पता था। वह जानता था कि श्रीराम से जीत पाना उसके लिए असंभव है। जब श्री राम ने खरदूषण का सहज ही बध कर दिया, तब तुलसी कृत मानस में भी रावण के मन भाव लिखे हैं-

खर दूसन मो सम बलवंता
तिनहि को मरहि बिनु भगवंता

रावण के पास जामवंत जी को आचार्यत्व का निमंत्रण देने के लिए लंका भेजा गया। जामवन्त जी दीर्घाकार थे। वे आकार में कुम्भकर्ण से तनिक ही छोटे थे। लंका में प्रहरी भी हाथ जोड़कर मार्ग दिखा रहे थे। इस प्रकार जामवन्त को किसी से कुछ पूछना नहीं पड़ा। स्वयं रावण को उन्हें राजद्वार पर अभिवादन का उपक्रम करते देख जामवन्त ने मुस्कराते हुए कहा कि मैं अभिनंदन का पात्र नहीं हूँ। मैं वनवासी राम का दूत बनकर आया हूँ। उन्होंने तुम्हें सादर प्रणाम कहा है।

रावण ने सविनय कहा कि आप हमारे पितामह के भाई हैं। इस नाते आप हमारे पूज्य हैं। कृपया आसन ग्रहण करें। यदि आप मेरा निवेदन स्वीकार कर लेंगे, तभी संभवतः मैं भी आपका संदेश सावधानी से सुन सकूंगा। जामवन्त ने कोई आपत्ति नहीं की। उन्होंने आसन ग्रहण किया। रावण ने भी अपना स्थान ग्रहण किया। तदुपरान्त जामवन्त ने पुनः सुनाया कि वनवासी राम ने सागर सेतु निर्माण उपरांत अब यथाशीघ्र महेश्वलिंग विग्रह की स्थापना करना चाहते हैं। इस अनुष्ठान को सम्पन्न कराने के लिए उन्होंने ब्राह्मण वेदज्ञ और शैव रावण को आचार्य पद पर वरण करने की इच्छा प्रकट की है। मैं उनकी ओर से आपको आमंत्रित करने आया हूँ। प्रणाम प्रतिक्रिया, अभिव्यक्ति उपरान्त रावण ने मुस्कान भरे स्वर में पूछ ही लिया। क्या राम द्वारा महेश्वलिंग विग्रह स्थापना लंका विजय की कामना से किया जा रहा है। बिल्कुल ठीक श्रीराम की महेश्वर के चरणों में पूर्ण भक्ति है। जीवन में प्रथम बार किसी ने रावण को ब्राह्मण माना है और आचार्य बनने योग्य जाना है। क्या रावण इतना अधिक मूर्ख कहलाना चाहेगा कि वह भारतवर्ष के प्रथम प्रशंसित महर्षि पुलस्त्य के सगे भाई महर्षि वशिष्ठ के यजमान का आमंत्रण और अपने आराध्य की स्थापना हेतु आचार्य पद अस्वीकार कर दे।

रावण ने अपने आपको संभाल कर कहा आप पधारें यजमान उचित अधिकारी है। उसे अपने दूत को संरक्षण देना आता है। राम से कहिएगा कि मैंने उसका आचार्यत्व स्वीकार किया।

जामवन्त को विदा करने के तत्काल उपरान्त लंकेश ने सेवकों को आवश्यक सामग्री संग्रह करने हेतु आदेश दिया और स्वयं अशोक वाटिका पहुँचे जो आवश्यक उपकरण यजमान उपलब्ध न कर सके जुटाना आचार्य का परम कर्त्तव्य होता है। रावण जानता है कि वनवासी राम के पास क्या है और क्या होना चाहिए। (क्रमशः)

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

प्रेरक प्रसंग

गिरकर उठने की कला

अपने आसपास कुछ लोगों को आप जुझारु, सनकी या जिद्दी कहते हैं। इसकी वजह होता है उनका एक खास गुण कि उन्हें जो चाहिए, उसे वह हासिल करके ही दम लेते हैं। जिद्दी लोगों को अक्सर लोग कम पसंद करते हैं, मगर यह भी गलत नहीं है कि ऐसे ही लोगों में दुनिया को बदलने का साहस होता है। इस दुनिया में कुछ भी पाना है तो आपको थोड़ा तो जिद्दी बनना पड़ेगा। यह कहानी भी ऐसे ही एक जिद्दी लड़के की है, जिसका नाम था विराट। विराट पिछले कई साल से अपने शहर में होने वाली मैराथन में हिस्सा लेता था, लेकिन कभी रेस पूरी नहीं कर पाता था। इस बार वह बहुत उत्साहित था, क्योंकि वह पिछले कई महीनों से रोज इस रेस की तैयारी कर रहा था। उसे अपने आप पूरा पर भरोसा था कि वह इस साल की मैराथन रेस जरूर पूरी कर लेगा। देखते ही देखते मैराथन का वो दिन भी आ गया और सभी लोग एक जगह एकत्रित हुए और जैसे ही रेस शुरू हुई बाकी लड़को की तरह विराट ने भी दौड़ना शुरू किया। वह जोश और हिम्मत से भरा हुआ था, और बड़े अच्छे ढंग से दौड़ रहा था। लेकिन आधी रेस पूरी करने के बाद विराट बिलकुल थक गया और उसके मन में आया कि बस अब वहीं बैठ जाए। वह ऐसा सोच ही रहा था कि तभी उसने खुद को कहा। रुको मत विराट! आगे बढ़ते रहो, अगर तुम दौड़ नहीं सकते तो कम से कम जॉगिंग करते हुए तो आगे बढ़ सकते हो। तो बस आगे बढ़ो। और विराट अब पहले की अपेक्षा धीमी गति से आगे बढ़ने लगा। कुछ किलोमीटर इसी तरह दौड़ने के बाद विराट को लगा कि उसके पैर अब और आगे नहीं बढ़ सकते, वह लड़खड़ाने लगा, विराट के अन्दर विचार आया, अब बस और नहीं बढ़ सकता! लेकिन एक बार फिर विराट ने खुद को समझाया!! रुको मत विराट। अगर तुम जॉगिंग नहीं कर सकते तो क्या, कम से कम चल तो सकते हो तो बस चलते रहो। विराट अब जॉगिंग करने की बजाय धीरे-धीरे लक्ष्य की ओर बढ़ने लगा। कई सारे लड़के विराट से आगे निकल चुके थे। चलते-चलते विराट को फिनिशिंग पॉइंट दिखने लगा, लेकिन तभी वह अचानक से लड़खड़ा कर गिर पड़ा। उसके दायें पैर की नसें खिंच गई थीं। जमीन पर पड़े-पड़े विराट के मन में खयाल आया, की अब मैं आगे नहीं बढ़ सकता, लेकिन अगले पल ही वो जोर से चिल्लाया। आज चाहे कुछ भी हो जाए, मैं ये रेस पूरी करके रहूँगा। ये मेरी जिद है माना मैं चल नहीं सकता लेकिन लड़खड़ाते ही सही लेकिन इस रेस को पूरी जरूर करूंगा। विराट ने साहस दिखाया और एक बार फिर दर्द सहते हुए आगे बढ़ने लगा, और इस बार वह तब तक बढ़ता रहा जब तक उसने फिनिशिंग लाइन पार नहीं कर ली। और फिनिशिंग लाइन पार करते ही वह जमीन पर लेट गया उसके आंखों से आंसू निकलने लगे। विराट ने रेस पूरी कर ली थी, उसके चेहरे पर इतनी खुशी और मन में इतनी संतुष्टि कभी नहीं आई थी आज विराट ने अपनी जिद के कारण न सिर्फ एक रेस पूरी की थी बल्कि जिंदगी की बाकी रेसों के लिए भी खुद को तैयार कर लिया था।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com **कार्यकारी संपादक :** राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

न्यूज़ ब्रीफ

जम्मू-कश्मीर में CRPF जवानों को ले जा रहा ट्रक सड़क से फिसला, 12 घायल

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में CRPF के जवानों को ले जा रहा ट्रक गुरुवार को मध्य कश्मीर के बडगाम जिले के खैगाम इलाके में सड़क से फिसल गया। हादसे में 12 जवान घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलने के तुरंत बाद स्थानीय अधिकारी और आपातकालीन टीमें घटनास्थल पर पहुंच गईं।

जम्मू में अपहृत किशोरी को छुड़ाया

जम्मू। सुपवाल क्षेत्र में अपहरण के 24 घंटे के भीतर ही 13 वर्षीय लड़की को अपहरणकर्ता के चंगुल से छुड़ा लिया गया। साथ ही उसके नाबालिग अपहरणकर्ता को भी पकड़ लिया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बुधवार को बिहार निवासी पीड़िता की मां ने सांबा जिले के सुपवाल पुलिस चौकी में अपनी शिकायत दी थी।

नायब सैनी दूसरी बार हरियाणा के मुख्यमंत्री बने

पंचकूला। नायब सिंह सैनी ने गुरुवार को पंचकूला में आयोजित एक भव्य समारोह के दौरान हरियाणा के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली. इस समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित एनडीए के तमाम दिग्गज नेता मौजूद रहे.इस समारोह में बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी भी देखी गई. सैनी कैबिनेट में 13 विधायकों ने भी मंत्री पद की शपथ ली. भाजपा ने शपथ ग्रहण समारोह के लिए इस दिन को इसलिए चुना क्योंकि इस दिन वाल्मीकि जयंती है. ऋषि-कवि वाल्मीकि हिंदू महाकाव्य रामायण के रचयिता हैं और दलितों के बीच उनका बहुत सम्मान है. इस अवसर पर एनडीए शासित कई राज्यों के मुख्यमंत्री मौजूद रहे।

PMLA के रिव्यू पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई 27 नवंबर तक टली

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (PMLA) के रिव्यू की याचिका पर सुनवाई को 27 नवंबर तक के लिए टाल दिया है। आज हुई सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की तरफ से पेश सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल मौजूद नहीं थे। इस पर जस्टिस सूर्यकांत की अगुआई वाली बेंच ने कहा कि हमेशा ऐसा ही होता है। जब हम मामले को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करते हैं, तो कोई उपलब्ध नहीं होता। सुप्रीम कोर्ट 27 जुलाई 2022 को दिए अपने फैसले पर पुनर्विचार की मांग करने वाली कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था। इस फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत इनफोर्समेंट डायरेक्टोरेट को गिरफ्तारी, संपत्ति की जब्ती, तलाशी और जब्ती के अधिकार दिए थे।

असम में अप्रवासियों को नागरिकता देने वाला कानून वैध

- CJI बोले- यह राजनीतिक समाधान था, जो कानून बना
- जस्टिस सूर्यकांत बोले- जियो और जीने दो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के 5 जजों की संविधान पीठ ने गुरुवार को महत्वपूर्ण फैसले में नागरिकता अधिनियम की धारा 6ए की संवैधानिक वैधता को बहाल रखा, जिसके तहत असम समझौते को मान्यता दी गई थी। नागरिकता अधिनियम की धारा 6ए के तहत 1 जनवरी, 1966 से 25 मार्च, 1971 के बीच असम आए अप्रवासियों को भारतीय नागरिकता प्रदान करती है। संविधान पीठ ने बहुमत के फैसले में कहा है कि 'राज्य में विभिन्न जातीय समूहों की मौजूदगी स्थानीय लोगों के सांस्कृतिक अधिकारों का उल्लंघन नहीं करती है।

ऐतिहासिक फैसला

मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति सूर्यकांत, एमएम सुंदरेश, जेबी पारदीवाला और मनोज मिश्रा की संविधान पीठ ने यह ऐतिहासिक फैसला दिया है। मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने अपना फैसला खुद लिखा है, जबकि जस्टिस सूर्यकांत ने अपने और जस्टिस सुंदरेश और मनोज मिश्रा के लिए फैसला लिखा है। जबकि जस्टिस पारदीवाला ने असहमति का अपना अलग फैसला लिखा है। हालांकि मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़, जस्टिस सूर्यकांत, एमएम सुंदरेश और मनोज मिश्रा ने इस मसले पर एक राय जाहिर की है। संविधान पीठ ने 4:1 के अपने बहुमत के फैसले में नागरिकता अधिनियम की धारा 6ए की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया। हालांकि जस्टिस जेबी पारदीवाला ने बहुमत के फैसले से अलग राय जाहिर की है। मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने फैसला सुनाते हुए कहा कि 'असम समझौता अवैध प्रवास की समस्या का राजनीतिक समाधान था और नागरिकता अधिनियम की धारा 6ए एक विधायी समाधान था। संविधान पीठ ने बहुमत के फैसले में कहा है कि 'देश की संसद के पास प्रावधान को लागू करने की विधायी क्षमता है और धारा 6ए को स्थानीय आबादी की सुरक्षा की आवश्यकता के साथ मानवीय चिंताओं को संतुलित करने के लिए लागू किया गया था। बहुमत के फैसले में कहा गया है कि 'असम को बांग्लादेश के साथ बड़ी सीमा साझा करने वाले अन्य राज्यों से अलग करना तर्कसंगत होने के साथ-साथ न्यायोचित था क्योंकि असम में स्थानीय आबादी में अप्रवासियों का प्रतिशत अन्य सीमावर्ती राज्यों की तुलना में अधिक था। संविधान पीठ ने कहा है कि असम में 40 लाख प्रवासियों का प्रभाव पश्चिम बंगाल में 57 लाख प्रवासियों से अधिक है क्योंकि असम में भूमि क्षेत्र पश्चिम बंगाल की तुलना में काफी कम है। पीठ ने फैसले में कहा है कि 25 मार्च, 1971 की कट-ऑफ तिथि तर्कसंगत थी क्योंकि यह वह तिथि थी जब बांग्लादेश मुक्ति आंदोलन/युद्ध समाप्त हुआ था। संविधान पीठ ने कहा है कि धारा 6ए के प्रावधान के उद्देश्य को बांग्लादेश युद्ध की पृष्ठभूमि में देखा जाना चाहिए। इसके साथ ही पीठ ने कहा है कि नागरिकता अधिनियम की धारा धारा 6ए न तो अधिक समावेशी है और न ही कम समावेशी है।

फिर हुआ रेल हादसा

लोकमान्य टर्मिनल एक्सप्रेस के 8 डिब्बे पटरी से उतरे

असम में रेल सेवा बाधित

गुवाहाटी। असम के दीमा हसाओ जिले के डिबालोंग स्टेशन पर अगरतला-लोकमान्य तिलक टर्मिनल एक्सप्रेस के आठ डिब्बे पटरी से उतर गए। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। अधिकारियों ने बताया कि अब तक किसी के हताहत होने या गंभीर रूप से घायल होने की कोई खबर नहीं है। उन्होंने बताया कि अपराह्न तीन बजकर 55 मिनट पर हुए इस हादसे का कारण अभी पता नहीं चल पाया है। पटरी से उतरे डिब्बों में ट्रेन का 'पावर कार' (जनरेटर वाला हिस्सा) और इंजन शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि बचाव और बहाली कार्य की निगरानी के लिए वरिष्ठ अधिकारियों के साथ लुमडिंग से दुर्घटना राहत चिकित्सा ट्रेन पहले ही घटनास्थल के लिए रवाना हो चुकी है। उन्होंने बताया कि लुमडिंग-बदरपुर एकल लाइन पहाड़ी खंड पर ट्रेनों का परिचालन स्थगित कर दिया गया है।

जम्मू-कश्मीर स्टेटहुड का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा

- याचिकाकर्ता ने 2 महीने में पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग की
- CJI सुनवाई को तैयार

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर को दो महीने में पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट तैयार हो गया है। एडवोकेट गोपाल शंकर नारायण ने जहूर अहमद भट और खुर्शीद अहमद मलिक की ओर से यह याचिका लगाई है। CJI डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि वे इस पर सुनवाई करेंगे।

क्या कहा गया याचिका में?

याचिका में कहा गया है कि अनुच्छेद 370 पर सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने जम्मू-कश्मीर को जल्द ही पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने का आश्वासन दिया था। हालांकि मामले में फैसला आने के 10 महीने बाद भी केंद्र सरकार ने अब तक इस पर कोई कदम नहीं उठाया। अनुच्छेद 370 हटाने को लेकर सुप्रीम कोर्ट का फैसला 11 अगस्त, 2023 को आया था।

संघवाद की मूल विशेषता का उल्लंघन

याचिका में कहा गया है कि यह संघवाद की मूल विशेषता का उल्लंघन है। यह जम्मू-कश्मीर के लोगों के अधिकारों को प्रभावित करता है। इसलिए कोर्ट केंद्र सरकार को जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने के निर्देश दे। केंद्र सरकार ने 5 अगस्त, 2019 को जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के साथ ही प्रदेश का पूर्ण राज्य का दर्जा खत्म करते हुए उसे दो यूनियन टेरिटरी (जम्मू-कश्मीर और लद्दाख) में बांट दिया था।

उत्तराखंड के मदरसों में पढ़ाई जाएगी संस्कृत

देहरादून। उत्तराखंड के मदरसों में जल्द ही संस्कृति पढ़ाई जा सकती है। इसे राज्य के 400 से ज्यादा मदरसों में ऑप्शनल सब्जेक्ट के तौर पर रखा जाएगा। मदरसा बोर्ड के अध्यक्ष मुफ्ती शमून ने गुरुवार को कहा कि हम इस योजना पर लंबे समय से काम कर रहे हैं। राज्य सरकार की अनुमति मिलते ही इसे लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी मदरसा जाने वाले बच्चों को मेनस्ट्रीम से जोड़ना चाहते हैं, इसी को ध्यान में रखते हुए हमने यह योजना बनाई है। मदरसों में NCERT सिलेबस लागू होने के अच्छे परिणाम मिले बोर्ड अध्यक्ष मुफ्ती शमून ने कहा कि NCERT पाठ्यक्रम से मदरसों में लागू होने से इस साल बहुत अच्छे नतीजे सामने आए हैं। 96% से ज्यादा बच्चे पास हुए। इससे पता चलता है कि मदरसों में पढ़ने वाले छात्रों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है।

जस्टिस संजीव खन्ना होंगे 51वें CJI

- अनुच्छेद 370 हटाने को सही बताया था
- कार्यकाल सिर्फ 6 महीने का, 13 मई को रिटायर होंगे

नई दिल्ली। जस्टिस संजीव खन्ना सुप्रीम कोर्ट के 51वें चीफ जस्टिस होंगे। CJI डीवाई चंद्रचूड़ ने सरकार से उनके नाम की सिफारिश की है। दरअसल, CJI चंद्रचूड़ 10 नवंबर 2024 को रिटायर हो जाएंगे। परंपरा है कि मौजूदा CJI अपने उत्तराधिकारी के नाम की सिफारिश तभी करते हैं, जब उन्हें कानून मंत्रालय से ऐसा करने का आग्रह किया जाता है। CJI चंद्रचूड़ के बाद वरिष्ठता सूची में जस्टिस संजीव खन्ना का नाम है। इसलिए जस्टिस खन्ना का नाम आगे बढ़ाया है। हालांकि, उनका कार्यकाल सिर्फ 6 महीने का होगा। 64 साल के जस्टिस खन्ना 13 मई 2025 को रिटायर होंगे। सुप्रीम कोर्ट जज के तौर पर जस्टिस खन्ना ने 65 फैसले लिखे हैं। इस दौरान वे करीब 275 बेंचों का हिस्सा रहे हैं।

दिल्ली हाईकोर्ट में 14 साल तक जज रहे

जस्टिस संजीव खन्ना का जन्म 14 मई 1960 को हुआ था। उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी के कैंपस लॉ सेंटर से कानून की पढ़ाई की। ग्रेजुएशन के बाद, उन्होंने 1983 में दिल्ली बार काउंसिल में एक वकील के रूप में रजिस्ट्रेशन कराया। सुप्रीम कोर्ट जज बनाए जाने से पहले वे दिल्ली हाईकोर्ट में 14 साल तक जज रहे।

कैप्टन अजय सिंह यादव ने छोड़ दी कांग्रेस

हरियाणा की हार के बाद लिया फैसला

गुरुग्राम। हरियाणा में हार के बाद कांग्रेस पार्टी को बड़ा झटका लगा है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कैप्टन अजय सिंह यादव ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म पर कांग्रेस से रिश्ता तोड़ने की घोषणा करते हुए कैप्टन ने कहा कि उनके लिए यह फैसला बहुत कठिन था। उन्होंने कांग्रेस के साथ अपने पुराने रिश्ते को भी याद किया। उन्होंने आरोप लगाया है कि उनके साथ अच्छा व्यवहार नहीं किया जा रहा था। अजय सिंह यादव कांग्रेस के बड़े ओबीसी नेता था। वह ओबीसी सेल के चेयरमैन भी थे। कैप्टन अजय यादव रेवाड़ी से पांच बार

के विधायक और मंत्री रह चुके हैं। वह बिहार के पूर्व सीएम लालू प्रसाद यादव के समधी हैं। लालू के दामाद और अजय यादव के बेटे चिरंजीव राव को रेवाड़ी से हार का सामना करना पड़ा है। पार्टी में दरकिनार किए जाने की वजह से कैप्टन काफी समय से नाराज चल रहे थे।

कर्नाटक के आवासीय स्कूलों का बदलेगा नाम

- महर्षि वाल्मीकि नया नाम होगा
- सिद्धारमैया बोले- BJP समानता की बात करती है, लेकिन उसका पालन नहीं करती

एजेंसी | बेंगलुरु

कर्नाटक सरकार ने गुरूवार को राज्य के सभी आवासीय स्कूलों के नाम बदल दिए हैं। अब ये सभी स्कूल महर्षि वाल्मिकी के नाम से जाने जाएंगे। 17 अक्टूबर को महर्षि वाल्मिकी की जयंती पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने ये ऐलान किया है। इसके अलावा उन्होंने रायचूर यूनिवर्सिटी का नाम भी बदलकर महर्षि वाल्मिकी विश्वविद्यालय करने का ऐलान किया। यह व्यवस्था आज से ही लागू हो जाएगी। सिद्धारमैया ने भाजपा पर आरोप लगाया कि उसने अल्पसंख्यक समुदायों की मदद के लिए कोई कदम नहीं उठाया। उन्होंने कहा कि BJP सिर्फ समानता की बात करती है, लेकिन उसे लागू नहीं करती।

CM सिद्धारमैया की दो बड़ी बातें

- यह सही समय है कि हम महर्षि वाल्मिकी के आदर्शों को अपने जीवन में उतारे। इतना ही नहीं, उनके संदेशों को जन जन तक पहुंचा कर उसे सार्थक करने की कोशिश करें।
- महर्षि वाल्मिकी के आदर्शों को अपनाकर ही देश न केवल ताकतवर राष्ट्र बनेगा, बल्कि इतिहास, विज्ञान और दर्शन के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर एक बार फिर से विश्वगुरु का दर्जा हासिल कर पाएगा।

सभी 31 जिले में हैं आवासीय

विद्यालय कर्नाटक के सभी 31 जिले में आवासीय विद्यालय चल रहे हैं। इनमें कमजोर आयवर्ग के अलावा दलितों के बच्चों को मेरिट के आधार पर चयनित कर रखा जाता है। इन स्कूलों में रहने खाने के लिए छात्रों से कोई शुल्क वसूल नहीं किया जाता। अभी तक इन सभी स्कूलों को सरकारी आवासीय विद्यालय के नाम से जाना जाता था, लेकिन मुख्यमंत्री की इस घोषणा के बाद यह सभी स्कूल महर्षि वाल्मिकी अवासीय विद्यालय के नाम से जाने जांएगे

अपराध बस्तर में हमलों की है मास्टरमाइंड; इनमें 176 जवानों की हुई थी शहादत

इनामी महिला नक्सली सुजाता तेलंगाना में गिरफ्तार

एजेंसी | सुकमा

सुरक्षा बल के जवानों ने तेलंगाना से एक महिला नक्सली को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की। ये महिला नक्सली कोई और नहीं बल्कि 1 करोड़ की इनामी सुजाता है। सुजाता नक्सलियों के बस्तर डिवीजन कमेटी की प्रभारी है। उसने सुकमा इलाके में कई बड़ी वारदातों को अंजाम दिया है। सुजाता कई राज्यों में वांटेड भी थी।

मिली जानकारी के मुताबिक नक्सली सुजाता की कई दिनों से बीमार थी। वो अपने इलाज के लिए छत्तीसगढ़ से निकलकर तेलंगाना के कोत्तागुड़म पहुंची थी। इसकी सूचना सुरक्षाबल के जवानों को मिली। फिर जवानों ने कार्रवाई करते हुए सुजाता को गिरफ्तार कर लिया। बताते हैं कि काफी कम उम्र में ही सुजाता ने हिंसा का रास्ता चुन लिया था। एक वक्त था जब वीरप्पन की तरह सुजाता बस्तर के जंगल में राज किया करती थी। इसी महिला नक्सली ने खूंखार नक्सली हिड़मा को ट्रेनिंग भी दी थी। कहते है कि सुजाता ने ही हिड़मा को बंदूक और दूसरे हथियार चलाना सिखाया था। बीजापुर, सुकमा और दंतेवाड़ा जिले में कई वारदातों में सुजाता शामिल थी।

कौन है महिला नक्सली सुजाता?

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, नक्सली सुजाता बंगाल की रहने वाली है। वो काफी पढ़ी लिखी है। बांगला के अलावा उसे हिंदी, अंग्रेजी, ओडिया, तेलुगु, गोंडी और हल्बी बोली भी आती है। उसने एक नक्सली नेता से शादी की थी। पति की मौत के बाद सुजाता छत्तीसगढ़ के बस्तर आ गई। सुजाता कई जवानों के मौत की वजह बनी। 2007 में एर्राबोर में सीआरपीएफ और जिला पुलिस के जवानों पर हमला किया गया था। इस हमले में 20 से ज्यादा जवान शहीद हो गए थे। कहते है कि इस हमले में सुजाता का हाथ था।

इन हमलों में हाथ

ताड़मेटला नक्सली हमला, 2010 में दंतेवाड़ा में नक्सली हमला या तक की झीरम नक्सली हमले में भी सुजाता के शामल होने की बात कही जाती है। इतना ही नहीं 2020 में चिंतागुफा इलाके में हुए नक्सली हमला, 2021 में बीजापुर में नक्सली हमले में भी सुजाता का नाम सामने आया था।

पोंजी स्कीम ठगी मामले में ईडी की छापेमारी

- दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद समेत कई शहरों के 13 ठिकानों की तलाशी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को नोएडा में पंजीकृत उस कंपनी के खिलाफ छापेमारी की जिस पर डेटा कंप्यूटिंग और क्लाउड स्टोरेज प्रदान करने वाली पोंजी स्कीम की आड़ में कई निवेशकों को ठगने का आरोप है। सूत्रों ने बताया कि विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (एफईएमए) के प्रावधानों के तहत एजेंसी के जालंधर कार्यालय द्वारा व्यूनाउ नामक कंपनी और उसके प्रवर्तकों के करीब 13 परिसरों की तलाशी ली गई। इनमें पंजाब के मोहाली जिले के जीरकपुर, दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद और मुंबई के परिसर शामिल हैं। सूत्रों के अनुसार क्लाउड स्टोरेज और डेटा कंप्यूटिंग के नाम पर ठगी करने वाली इस कंपनी कंपनी और उसके प्रवर्तकों द्वारा किए गए कुछ विदेशी लेनदेन केंद्रीय जांच एजेंसी की जांच के दायरे में हैं।

जीएसटी धोखाधड़ी : गुजरात में 23 स्थानों पर छापे

गांधीनगर। ईडी ने गुरुवर को जीएसटी धोखाधड़ी से जुड़े धनशोधन के एक मामले में गुजरात में कई शहरों में छापेमारी की। इस प्रकरण में राज्य पुलिस ने हाल में एक पत्रकार सहित आठ लोगों को गिरफ्तार किया था। सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय जांच एजेंसी ने राजकोट, जूनागढ़, अहमदाबाद, भावनगर और वेरावल शहरों में करीब 23 परिसरों पर छापेमारी की। मामले में गिरफ्तार पत्रकार महेश लांगा के परिसरों पर देर रात तक कार्रवाई चलती रही। ईडी मामले में कई अन्य कंपनियों की भूमिका की भी जांच कर रही है।

दो बजे दोपहर

उत्तर भारत/बिजनेस

खबर संक्षेप

टीकाकरण कैंप में लापरवाही, चार महीने की बच्ची की मौत, FIR दर्ज

खगड़िया: बिहार के खगड़िया जिले में टीकाकरण के बाद एक चार महीने की बच्ची की मौत हो गई, जिससे पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। यह घटना गोगरी नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड नंबर 32 में स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में आयोजित टीकाकरण शिविर में बुधवार की रात हुई। मृत बच्ची का नाम अन्नू कुमारी बताया जा रहा है, जो जमालपुर इमली तल की रहने वाली थी। मृत बच्ची के पिता मंगल कुमार ने बताया कि वह अपनी बच्ची अन्नू को टीकाकरण के लिए आंगनबाड़ी केंद्र संख्या-4 पर ले गए थे, जहां मौजूद एएनएम ने उसे पांच अलग-अलग इंजेक्शन लगाए।

कोटा में NEET छात्र की आत्महत्या

कोटा (राजस्थान): राजस्थान के कोटा में NEET-UG की तैयारी कर रहे छात्रों की आत्महत्या की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। ताजा मामले में, उत्तर प्रदेश का एक 20 वर्षीय छात्र बुधवार रात अपने PG कमरे में पंखे से लटक कर आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार, छात्र के कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। आत्महत्या के कारणों का पता लगाने की कोशिश की जा रही है। दादाबाड़ी थाने के सर्किल इंस्पेक्टर नरेश मीना ने बताया कि जब छात्र ने दरवाजा खटखटाने और परिवार के सदस्यों के बुलाने पर कोई जवाब नहीं दिया, तो केयरटेकर ने पुलिस को फोन किया। जब पुलिस मौके पर पहुंची, तो युवक छत के पंखे से लटका हुआ पाया गया। दौसाः राजस्थान में दौसा विधानसभा के उप चुनाव से पहले पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान एक गाड़ी से 2 करोड़ रुपये की नकद राशि बरामद की है।

महिला शिक्षकों पर मदन दिलावर का यू-टर्न

जयपुरः राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने महिला शिक्षकों के पहनावे को लेकर दिए गए बयान पर सफाई दी है। उन्होंने कहा कि ₹मैंने हर नग्न शब्द का उपयोग नहीं किया₹ और केवल यह कहा था कि कुछ शिक्षिकाएं ₹कम कपड़े₹ पहनकर आती हैं। दिलावर ने इस बात पर जोर दिया कि उन्होंने ₹अर्धनग्न₹ शब्द का प्रयोग नहीं किया और उनके बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया है। इससे पहले, नीमकाथाना में एक कार्यक्रम के दौरान दिलावर ने कहा था कि कुछ शिक्षिकाएं गलत पहनावे में स्कूल आती हैं, जो बच्चों पर नकारात्मक प्रभाव डालती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कई शिक्षक स्कूल में गुटखा खाकर जाते हैं, और इस तरह की हरकतें करने वालों को शिक्षक कहना ₹पापर₹ है। उनके इस बयान के बाद, अब उन्होंने अपने शब्दों को स्पष्ट करते हुए बैकफुट पर आ गए हैं।

बहराइच हिंसा में बड़ा ऐक्शन

पुलिस ने आरोपी सरफराज और तालिब को एनकाउंटर में किया गिरफ्तार

एजेंसी । बहराइच

बहराइच हिंसा में राम गोपाल हत्याकांड मामले में यूपी एसटीएफ और यूपी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने हिंसा के मुख्य आरोपी सरफराज और तालिब को एनकाउंटर में गिरफ़्तार कर लिया है। एनकाउंटर के दौरान दोनों आरोपियों के पैर में गोली मारी गई है। गोली लगने से घायल दोनों आरोपियों को पुलिस ने नानपारा सीएचसी में भर्ती कराया, यहां से उन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों के अनुसार सरफराज की हालत गंभीर बताई जा रही है। बहराइच के महाराजगंज हिंसा मामले में रामगोपाल को गोली मारने वाले मुख्य आरोपी सरफराज व उसके बड़े भाई तालिब के साथ गुरुवार को एसटीएफ और पुलिस की मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ नानपारा कोतवाली क्षेत्र कुर्मीनपुरवा हांडा बसरी लगभग दोपहर 2:00 के आसपास होना बताया जा रहा है। पुलिस को सूचना मिली थी कि दोनों आरोपी नेपाल भागने की फिराक में है। इसके बाद पुलिस ने दोनों की गिरफ्तारी के लिए घेराबंदी कर दी। पुलिस और एसटीएफ के बीच घिरा देखकर सरफराज और तालिब ने गोलीबारी शुरू कर दी। पुलिस और एसटीएफ ने भी जवाबी कार्रवाई की, जिसमें सरफराज के बाएं और तालिब के दाहिने पैर में गोली मारी गई। गोली लगने से बुरी तरह घायल दोनों आरोपियों को पुलिस एंबुलेंस से नानपारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर ले जाया गया।

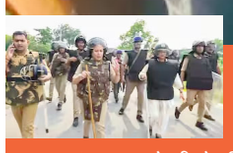

बुधवार को एक आरोपी हुआ था गिरफ्तार

महराजगंज बवाल में सीओ रवि खोखर व नवनियुक्त थानाध्यक्ष हरदी कमल शंकर चतुर्वेदी को बुधवार शाम ठोस जानकारी मिली। उन्होंने टीम के साथ राजी चौराहे पर दबिश दी। पुलिस ने नामजद महाराजगंज बाजार निवासी मोहम्मद दानिश उर्फ राजा उर्फ साहिर को धर दबोचा। वह नेपाल भागने की फिराक में था। तभी उसे पुलिस टीम ने पकड़ लिया। गोलीकांड का मुख्य आरोपी सरफराज और तालिब फरार चल रहा था, जिसे गुरुवार को पुलिस ने एनकाउंटर में गिरफ्तार कर लिया। सीओ रवि खोखर ने बताया कि न्यायालय में पेश कर रिमांड पर लिया गया है।

एटीएस के लिए चुनौती बन गई थी सरफराज की गिरफ्तारी

बहराइच के महाराजगंज क्षेत्र में 13 अक्टूबर को मूर्ति विसर्जन के दौरान कहासुनी के बाद छत पर चढ़े रामगोपाल को गोली मार दी गई थी। इस हत्याकांड में सरफराज उर्फ रिंकू, फहीम व हमीद को आरोपी बनाया गया था। घटना के बाद से ही सभी फरार हो गए थे। जिला अस्पताल में रामगोपाल के दम तोड़ने के बाद रिश्तेदारों की मदद से सभी के रुपईडीहा बॉर्डर से नेपाल भागने की बात सामने आई थी। पुलिस सूत्रों का कहना था कि हमीद का बड़ा बेटा नेपाल में ही परिवार संग रह रहा है। घटना को अंजाम देने के बाद 14 अक्टूबर को सभी वहीं पहुंचे थे, लेकिन एटीएस के पीछे लगे होने की खबर पर वहां से भी वे सभी फरार हो गए हैं। ऐसे में एटीएस और आईबी की टीम नेपाली पुलिस के साथ उनकी तलाश कर रही थी।

अस्पताल के बाहर पुलिस फोर्स तैनात

एनकाउंटर में गिरफ्तार सरफराज और तालिब का जहांपूरी जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। अस्पताल का पूरा परिसर छावनी में तब्दील कर दिया गया है। साथ ही हरदी थाना क्षेत्र के मृतक राम गोपाल मिश्रा के गांव में भर्ती बड़ी संख्या में पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है। चारों तरफ बैरिकेडिंग कर आवागमन पूरी तरह से रोक दिया गया है। जिला अस्पताल में भी विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम बुला ली गई है। बताया जा रहा है कि उनके पैर में गोली लगने से हालत गंभीर है। जिला अस्पताल में एसपी शहर रामानंद कुशवाहा व सिटी मजिस्ट्रेट शालिनी प्रभाकर भी मौके पर मौजूद हैं। उधर मुख्य आरोपी की बहन ने खुलासा किया है कि उसके घर से एसटीएफ कल ही दोनों को पकड़ कर ले गई थी, उनके एनकाउंटर करने की प्रयास किया जा रहे हैं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से बहन ने बचाने की मांग की है।

मछली व्यापारी समेत दो की सड़क हादसे में मौत

एजेंसी । गोरखपुर

बुधवार को गोरखपुर के खजनी और पिपराइच क्षेत्रों में हुए अलग-अलग सड़क हादसों में मछली व्यापारी समेत दो लोगों की जान चली गई। हादसों के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गए। पुलिस ने दोनों मामलों में जांच शुरू कर दी है और गाड़ियों की तलाश की जा रही है।

खजनी: बोलेरो ने बाइक सवार को मारी टक्कर

खजनी थाना क्षेत्र के सरया तिवारी मोड़ पर सुबह करीब 10 बजे बोलेरो वाहन ने एक बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में भरोहिया के डोहरिया वासुदेव गांव के निवासी अश्वनी त्रिपाठी गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने अश्वनी को मृत घोषित कर दिया। खजनी थाना प्रभारी ने बताया कि अज्ञात बोलेरो चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। सीसीटीवी फुटेज की मदद से वाहन और चालक की तलाश की जा रही है।

पिपराइच: साइकिल सवार की अस्पताल में मौत

दूसरी घटना पिपराइच क्षेत्र की है, जहां छोटकी रेतवहिया गांव के निवासी जगेसर, मंगलवार की रात तिनकोनिया रेंज स्थित चौकी टोला से साइकिल से अपने घर लौट रहे थे। भट्ठा चौराहे पर पादरी बाजार की ओर जा रहे एक मैजिक वाहन ने उनकी साइकिल को टक्कर मार दी, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने उन्हें बीआरडी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया, लेकिन बुधवार सुबह उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। घटना के बाद से मैजिक वाहन का चालक फरार है, और पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। दोनों घटनाओं को लेकर स्थानीय निवासियों में आक्रोश है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही दोषियों को पकड़कर कानूनन कार्रवाई की जाएगी।

बीएचयू में रेजिडेंट्स की हड़ताल जारी, मरीजों को हो रही परेशानी

रेजिडेंट्स की गैरमौजूदगी से प्रभावित हुई व्यवस्था, ओपीडी में लंबा इंतजार

एजेंसी । वाराणसी

आईएमएस बीएचयू (इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज़) के रेजिडेंट डॉक्टरों की हड़ताल गुरुवार को तीसरे दिन भी जारी रही। हड़ताल के कारण अस्पताल की ओपीडी में मरीजों की भीड़ उमड़ पड़ी, और इलाज के लिए लोग लंबा इंतजार करते देखे गए। आमतौर पर ओपीडी में कंसल्टेंट डॉक्टरों के साथ रेजिडेंट डॉक्टर भी मरीजों की जांच में सहयोग करते हैं, लेकिन हड़ताल के चलते रेजिडेंट्स की अनुपस्थिति ने व्यवस्था को प्रभावित किया।

आंदोलनकारी डॉक्टरों की मांगें: सुरक्षा और संस्थागत एफआईआर पर जोर

रेजिडेंट डॉक्टरों ने आईएमएस निदेशक कार्यालय के सामने प्रदर्शन करते हुए बताया कि उनकी मांगों को लेकर प्रशासन की अनदेखी लंबे समय से जारी है। उन्होंने बार-बार सुरक्षा सुनिश्चित करने और संस्थागत एफआईआर दर्ज कराने की मांग की, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।

नाराज रेजिडेंट्स का एलान: 'मांगे पूरी न होने तक जारी रहेगी हड़ताल'

रेजिडेंट्स ने साफ कर दिया है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होंगी, वे अपनी सेवाएं बहाल नहीं करेंगे। वहीं, अस्पताल में मरीजों को इलाज के लिए असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है, जिससे उनमें नाराजगी बढ़ती जा रही है।

सम्पन्न हुआ श्री रामानुग्रह धाम स्थापना दिवस समारोह

एजेंसी । कानपुर

परम पूज्य महामंडलेश्वर स्वामी विनय स्वरूपानंद सरस्वती जी महाराज द्वारा स्थापित श्री रामानुग्रह धाम ईश्वरी गंज विठुर के स्थापना दिवस समारोह पर आयोजित 09 अक्टूबर से 16 अक्टूबर तक चलने वाली श्रीमद्भागवत कथा महापुराण के कथा व्यास परम पूज्य आचार्य श्री अप्रमेय प्रपन्नाचार्च जी महाराज ने समापन अवसर पर मानव जीवन के सूत्र बताते हुए कहा कि पानी को कितना भी गर्म कर लें पर वह थोड़ी देर बाद अपने मूल स्वभाव में आकर शीतल हो जायेगा। इसी प्रकार हम कितने भी क्रोध में, भय में अशांति में रह लें थोड़ी देर बाद बोध में, निर्भयता में और प्रसन्नता में हमें आना होगा क्योंकि यही हमारा मूल स्वभाव है। इतना ऊर्जा सम्पन्न जीवन परमात्मा ने हमें दिया है स्वयं का तो क्या लाखों लाखों लोगों का कल्याण करने के निमित्त भी हम बन सकते है। जरुरत है स्वयं की शक्ति और स्वभाव समझने की। सबसे बड़ी अगर जीवन पथ में अगर कोई बाधा है तो वह है निराशा। हम थोड़ी देर में ही परिस्थिति के आगे घुटने टेककर उसे अपने ऊपर हावी कर लेते हैं। किसी संग दोष के कारण, किन्ही बातों के प्रभाव में आकर निराश हो जाना, यह संयोग जन्य स्थिति है। आनंद , प्रसन्नता, उत्साह, उल्लास और सात्विकता मूल स्वभाव तो हमारा यही ही है। शरद पूर्णिमा के पुनीत पर्व पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया इस अवसर पर उपस्थित सम्मानित साधु संतों हनुमत धाम पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर स्वामी डा.केशवानंद जी महाराज, म.म.स्वामी श्री गीतानंद जी महाराज म.म.स्वामी श्री कृष्ण दास जी महाराज.पूज्य स्वामी उदितानंद ब्रह्मचारी जी महाराज, पूज्य स्वामी बालयोगी अरुण चैतन्यपुरी जी महाराज स्वामी आशुतोष गिरी जी महाराज,साध्वी आनंद भारती जी महंत गिरिजा शंकर शुक्ल एवं अनेकानेक संतजनों को अंगवस्त्र एवम् प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

यूनियन बैंक के 22 करोड़ की धोखाधड़ी में बिल्डर गिरफ्तार

लखनऊ: यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के 22 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी के मामले में गाजियाबाद के बिल्डर राजीव त्यागी को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार देर रात गिरफ्तार किया। साईं कंस्ट्रक्शन एंड बिल्डर्स के संचालक राजीव त्यागी को लखनऊ के ईडी जोनल कार्यालय में पूछताछ के लिए बुलाया गया था, जहां उन्होंने जांच में सहयोग नहीं किया, जिसके चलते ईडी ने यह कार्रवाई की। अब उन्हें गाजियाबाद की विशेष अदालत में पेश किया जाएगा। ईडी ने 23 सितंबर को राजीव त्यागी और उनके परिवार की 14.89 करोड़ रुपए की संपत्तियां जब्त की थीं। इन संपत्तियों में फ्लैट, दुकान, आवासीय और औद्योगिक भूखंड शामिल हैं, जिनकी बाजार कीमत वर्तमान में कई गुना ज्यादा है।

दिवाली से पहले महंगाई भत्ता में वृद्धि,उत्तर प्रदेश के 17 लाख कर्मचारियों को राहत

लखनऊ: दिवाली से पहले उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य के कर्मचारियों और शिक्षकों के लिए महंगाई भत्ते (डीए) में वृद्धि की घोषणा की है। इससे 17 लाख से ज्यादा कर्मचारी और शिक्षक लाभान्वित होंगे। वर्तमान में कर्मचारियों को मूल वेतन पर 50 प्रतिशत डीए मिल रहा है, जिसे तीन प्रतिशत बढ़ाकर 53 प्रतिशत किया जाएगा। यह वृद्धि जुलाई से लागू होगी। केंद्र सरकार ने भी अपने कर्मचारियों और पेंशनरों के लिए महंगाई भत्ते (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) में तीन प्रतिशत की वृद्धि की है। बुधवार को केंद्रीय कैबिनेट ने इस वृद्धि को मंजूरी दी, जिससे डीए अब 50 प्रतिशत से बढ़कर 53 प्रतिशत हो गया है। इस घोषणा का लाभ लगभग एक करोड़ से अधिक कर्मचारी और पेंशनर उठा पाएंगे।

व्यापार जगत

सेंसेक्स में 495 अंकों की गिरावट, निफ्टी 24,750 पर बंद

बीएसई सेंसेक्स 0.61% गिरकर 81,006.61 पर, निफ्टी में 0.89% की कमी

एजेंसी । मुंबई

आज भारतीय शेयर बाजार में दिनभर के उतार-चढ़ाव के बाद गिरावट देखने को मिली। प्रमुख सूचकांक बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी दोनों ही लाल निशान पर बंद हुए। बंबई स्टॉक एक्सचेंज (BSE) का 30 शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 494.75 अंक यानी 0.61 प्रतिशत गिरकर 81,006.61 के स्तर पर बंद हुआ।

निफ्टी में भी गिरावट

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) का 50 शेयरों पर आधारित निफ्टी भी 221.45 अंक यानी 0.89 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,749.85 के स्तर पर बंद हुआ।

शेयरों में कारोबार का हाल

दिन के अंत में करीब 1199 शेयरों में तेजी आई, जबकि 2580 शेयरों में गिरावट आई। 101 शेयरों में कोई बदलाव नहीं आया। निफ्टी की कंपनियों में सबसे अधिक गिरावट बजाज ऑटो, श्रीराम फाइनेंस, हीरो मोटोकॉर्प, नेस्ले और एमएंडएम के शेयरों में रही। वहीं, टेक महिंद्रा, इंफोसिस, एलएंडटी, पावर ग्रिड कॉर्प और एसबीआई के शेयरों में बढ़त देखी गई।

सुबह की स्थिति

सुबह सेंसेक्स 101.44 अंक यानी 0.12 प्रतिशत बढ़कर 81,602.80 स्तर पर खुला, जबकि निफ्टी 13.90 अंक यानी 0.06 प्रतिशत गिरकर 24,957.40 के स्तर पर खुला। प्री-ओपनिंग सत्र में बेंचमार्क सूचकांक ने मजबूती के साथ कारोबार किया।

सेंसेक्स की कंपनियों का प्रदर्शन

सेंसेक्स में 30 में से 21 कंपनियों के शेयर नुकसान में रहे। इनमें नेस्ले इंडिया, एमएंडएम, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फिनसर्व, टाइटन, मारुति, एक्सिस बैंक, टाटा स्टील और भारती एयरटेल के शेयरों में सबसे अधिक गिरावट दर्ज की गई। जबकि 9 शेयर हरे निशान पर रहे, जिनमें टॉप गेनर टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, पावरग्रिड, एलएंडटी और एसबीआई शामिल हैं।

भारतीय रुपये का हाल

गुरुवार को भारतीय रुपया 8 पैसे गिरकर 84.07 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। सुबह, रुपया 84.02 प्रति डॉलर पर खुला था, जबकि बुधवार को यह 84.05 प्रति डॉलर पर खुला और शाम को 83.99 प्रति डॉलर पर बंद हुआ।

बजाज ऑटो के कमजोर तिमाही नतीजों का असर, शेयर में 11 फीसदी की गिरावट

एजेंसी । नई दिल्ली

बजाज ग्रुप की दोपहिया बनाने वाली कंपनी बजाज ऑटो के शेयरों में गुरुवार को भारी गिरावट आई है। वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही में कंपनी के कमजोर प्रदर्शन के कारण यह गिरावट आई है। दूसरी तिमाही में कंपनी का टैक्स के बाद कंसालिडेटेड प्रॉफिट सालाना आधार पर 31 फीसदी घटकर 1,385 करोड़ रुपए रहा, जो एक साल पहले 2,020 करोड़ रुपए था।

दूसरी तिमाही में प्रॉफिट 31% घटकर 1,385 करोड़ रुपए रहा, कंपनी ने बताया खर्च और टैक्स की वजह से गिरावट

प्रॉफिट में कमी का कारण

बजाज ऑटो के अनुसार, उसके मुनाफे में गिरावट अधिक खर्च और टैक्स से संबंधित निपटारे के कारण हुई है। हालांकि, दूसरी तिमाही में कंपनी का कुल रेवेन्यू बढ़कर 13,247 करोड़ रुपए हो गया, जो पिछले साल 10,838 करोड़ रुपए था। दूसरी तिमाही में कुल व्यय 10,767.22 करोड़ रुपए रहा, जो पिछले साल 8,806.47 करोड़ रुपए था।

बजाज ऑटो का स्पष्टीकरण

बजाज ऑटो के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर राकेश शर्मा ने प्रॉफिट ऑफ्टर टैक्स में गिरावट की वजह बताते हुए कहा कि कंपनी को स्थगित कर (deferred tax) के कारण 211 करोड़ रुपए का एकमुश्त अतिरिक्त प्रावधान करना पड़ा। उन्होंने बताया कि सरकार ने लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन पर जो इंडेक्सेशन लाभ दिया था, उसे वापस ले लिया है, जिससे डेट म्यूचुअल फंड पर प्रभावी कर दर 6.8-7 प्रतिशत से बढ़कर 14 प्रतिशत हो गई है। शर्मा ने कहा, यह एक बार की मार है, इसका परिचालन से कोई लेना-देना नहीं है।

इंडिया पोस्ट का बड़ा कदम: एसआईपी सुविधा जल्द ही निवेशकों के लिए

भागलपुरः भारत के छोटे और बड़े निवेशकों के लिए एक खुशखबरी है। इंडिया पोस्ट जल्द ही अपने प्लेटफॉर्म पर सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) की सुविधा शुरू करने जा रहा है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, इसको लेकर संबंधित एजेंसी के साथ विचार-विमर्श किया गया है और ऐप तथा पोर्टल तैयार कर लिया गया है। संभावना है कि यह सेवा इस साल के अंत तक या नए साल में देशभर में लागू कर दी जाएगी। यह नई सेवा इंडिया पोस्ट द्वारा पहले से दी जा रही बैंकिंग, निर्यात, बीमा और आधार जैसी सुविधाओं से अलग होगी। इसके तहत देशभर के 2.5 लाख डाकघरों के लाखों उपभोक्ता इससे जुड़ सकेंगे। इंडिया पोस्ट अपने एसआईपी के साथ-साथ साझेदार बैंकों और अन्य कंपनियों के एसआईपी प्लान भी उपलब्ध कराएगा।

त्योहारी सीजन में प्याज की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए सरकार का बड़ा कदम

एजेंसी । नई दिल्ली

त्योहारी सीजन के दौरान प्याज की बढ़ती कीमतों पर नियंत्रण पाने के लिए सरकार ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। वह महाराष्ट्र से दिल्ली तक 1,600 टन बफर स्टॉक रेलवे के माध्यम से लाएगी। यह पहली बार है जब सरकार ने रसोई के लिए रेलवे परिवहन का उपयोग करने का निर्णय लिया है। उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने बताया कि 'Kanda Express' नामक विशेष ट्रेन लासलगांव रेलवे स्टेशन से रवाना होकर 20 अक्टूबर को दिल्ली के किशनगंज रेलवे स्टेशन पर पहुंचेगी। इससे दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में प्याज की कीमतों को स्थिर करने में मदद की उम्मीद है, जहां बफर स्टॉक प्याज फिलहाल 35 रुपए प्रति किलो की रियायती दर पर बेचा जा रहा है। खरे ने इसे एक ऐतिहासिक पहल बताते हुए कहा कि इस तरह की व्यवस्था लखनऊ, वाराणसी और पूर्वोत्तर राज्यों जैसे असम, नागालैंड और मणिपुर में भी लागू की जाएगी।

इंफोसिस ने सितंबर तिमाही में दिखाया बड़ा मुनाफा, 21 रुपए प्रति शेयर का डिविडेंड घोषित

एजेंसी । नई दिल्ली

देश की प्रमुख आईटी कंपनी इंफोसिस ने सितंबर तिमाही के नतीजों की घोषणा की है, जिसमें कंपनी ने शानदार मुनाफा दर्ज किया है। इसके साथ ही, कंपनी ने 21 रुपए प्रति शेयर के अंतरिम डिविडेंड की घोषणा की है, जो चालू वित्त वर्ष का पहला अंतरिम डिविडेंड है। डिविडेंड के लिए रिकॉर्ड तिथि 29 अक्टूबर 2024 तय की गई है, जबकि भुगतान की तिथि 8 नवंबर 2024 होगी। इंफोसिस के सीएफओ जयेश संघराजका ने बताया कि बोर्ड ने 21 रुपए प्रति शेयर का अंतरिम लाभांश घोषित किया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 16.7 प्रतिशत अधिक है। इसके अलावा, कंपनी ने वित्त वर्ष 2024 के लिए 20 रुपए के फाइनल डिविडेंड और 8 रुपए प्रति शेयर के स्पेशल डिविडेंड की भी घोषणा की है। इस प्रकार, इंफोसिस ने साल भर के लिए कुल 46 रुपए का डिविडेंड घोषित किया है, जिसमें 18 रुपए प्रति शेयर का अंतरिम लाभांश भी शामिल है। चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में इंफोसिस का नेट प्रॉफिट 4.7 प्रतिशत बढ़कर 6,506 करोड़ रुपए रहा है। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी का मुनाफा 6,212 करोड़ रुपए था। तिमाही आधार पर, कंपनी के मुनाफे में 2.2 प्रतिशत की वृद्धि देखने को मिली है। इस दौरान कंपनी की आमदनी 4.2 प्रतिशत बढ़कर 40,986 करोड़ रुपए हो गई।

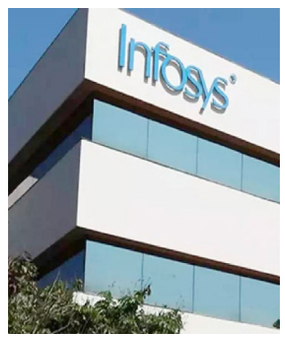

खेल विधेयक मसौदे पर मंडाविया ने हितधारकों से चर्चा की

एजेंसी । नई दिल्ली

खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने गुरुवार को यहां राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक 2024 के मसौदे पर हितधारकों के साथ परामर्श बैठक की अध्यक्षता की। इसमें प्रशासन में सुधार, खिलाड़ी कल्याण उपायों और प्रशासन में पारदर्शिता को बढ़ावा देने पर विचार-विमर्श किया गया।

मसौदा मील का पत्थर

बैठक में भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा, राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) के प्रतिनिधि और राष्ट्रीय खेल संवर्धन संगठन (एनएसपीओ) मौजूद थे। मंडाविया ने कहा, मसौदा राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक 2024 भारत में एक मजबूत और पारदर्शी खेल प्रशासन संरचना बनाने के हमारे मिशन में एक मील का पत्थर है जो ओलंपिक और पैरालंपिक चार्टर सहित अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप है। हमारे खेल समुदाय की आकांक्षाओं और खेल नीतियों को आकार देने के लिए विभिन्न हितधारकों और जनता की सक्रिय भागीदारी महत्वपूर्ण है।

भारत ने बनाया एशिया में सबसे छोटा टेस्ट स्कोर

- बेंगलुरु टेस्ट में न्यूजीलैंड को 134 रन की बढ़त
- दूसरे दिन स्टंप्स तक स्कोर 180/3

एजेंसी । बेंगलुरु

भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहले टेस्ट मैच का दूसरा दिन मेहमान टीम के नाम रहा। पहले दिन का खेल बारिश की भेंट चढ़ने के बाद आखिरकार दूसरे दिन टॉस हुआ। भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। रोहित का यह फैसला भले ही भारत के पक्ष में नहीं रहा पर इतिहास कायम हो गया। भारतीय टीम पहली पारी में मजह 46 रन पर सिमट गई। पूरी टीम 31.2 ओवर ही खेल सकी। यशस्वी जायसवाल ने 13 रन की पारी खेली। रोहित शर्मा ने महज दो रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद बल्लेबाजी करने आए विराट कोहली और सरफराज खान अपना खाता तक नहीं खोल पाए। ऋषभ पंत ने 20 रन का योगदान दिया। न्यूजीलैंड के मजह तीन गेंदबाजों ने गेंदबाजी की।

46 रन पर ऑलआउट, कोहली 38वीं बार शून्य पर आउट

शतक से चूके डेवोन कॉनवे

एक छोर पर सेट बल्लेबाज डेवोन कॉनवे ने धैर्य के साथ खेलते हुए अपना अर्धशतक पूरा किया। हालांकि, वह शतक से 9 रन ही दूर थे कि अश्विन ने क्लीन बोल्ड कर भारत को बड़ी सफलता दिलाई। इसके बाद न्यूजीलैंड ने कोई भी विकेट नहीं खोया। दूसरे दिन खेल खराब रौशनी के चलते जल्दी खत्म हो गया। रचिन रविंद्र (22) और डेरिल मिचेल (12) नाबाद लौटे। आज का दिन भारत भूल जाना चाहेगा और अब देखना होगा कि अगले दिन यानि कल भारतीय टीम कैसी तैयारी के साथ उतरती है।

न्यूजीलैंड की ठोस शुरुआत

इसके जवाब में उतरी न्यूजीलैंड की टीम ने ठोस शुरुआत की। टॉम लैथम और डेवोन कॉनवे के बीच पहले विकेट के लिए 67 रन की साझेदारी हुई। टॉम लैथम को स्लिप में एक जीवनदान भी मिला था, लेकिन वह इसका ज्यादा फायदा नहीं उठा सके और 15 रन बनाकर कुलदीप यादव का शिकार बने। विल यांग और कॉनवे के बीच दूसरे विकेट लिए 75 रन की साझेदारी हुई। विल यांग को 33 के स्कोर पर जडेजा का शिकार बने।

मैट हेनरी ने लिए पांच विकेट

भारतीय टीम के पांच बल्लेबाज अपना खाता तक नहीं खोल पाए। इनमें विराट कोहली, सरफराज खान, केएल राहुल, रवींद्र जडेजा और आर अश्विन शामिल रहे। इनके अलावा कुलदीप यादव 2 रन जसप्रीत बुमराह 1 रन ही बना सके। मोहम्मद सिराज 4 रन बनाकर नाबाद रहे। न्यूजीलैंड के मैट हेनरी ने 13 .2 ओवर में 15 रन देकर पांच विकेट लिए। वहीं, विलियम ओरूक ने 12 ओवर में 22 रन देकर चार विकेट लिए, जबकि टिम साउदी को एक विकेट मिला।

महिला टी-20 विश्व कप

फाइनल में जगह बनाने के लिए भिड़ेंगे न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज

- 23 मुकाबले दोनों टीमों ने अब तक आपस में खेले
- 17 न्यूजीलैंड ने पांच विंडीज ने जीते, एक ड्रॉ रहा

एजेंसी । शारजाह

न्यूजीलैंड टीम महिला टी-20 विश्व कप सेमीफाइनल में शुक्रवार को वेस्टइंडीज का सामना करेगी। इसमें कीवियों की निगाह अपनी शानदार फॉर्म बरकरार रखते हुए तीसरी बार फाइनल में जगह बनाने पर होगी। टीम 2009 और 2010 में उपविजेता रही थी। इस मैच के विजेता का सामना दुबई में रविवार को होने वाले फाइनल में छह बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा।

शानदार रहा प्रदर्शन

कीवी कप्तान सोफी डेवाइन ने अपने अनुभव का पूरा इस्तेमाल किया है। इसके अलावा जॉर्जिया प्लिमर और अनुभवी सूजी बेट्स शानदार फॉर्म में हैं जबकि एमेलिया केर ने निचले क्रम में उपयोगी रन बनाए हैं।

कीवी टीम का पलड़ा भारी

हालांकि आकंड़ों के आधार पर कीवी टीम का पलड़ा भारी नजर आ रहा है। इसके अलावा न्यूजीलैंड ने इस टूर्नामेंट में भी भारत और श्रीलंका जैसी टीमों को हराकर ग्रुप ए से अंतिम चार में जगह बनाई है। उसकी गेंदबाज और बल्लेबाज भी अच्छी फॉर्म में हैं। दूसरी ओर सिर्फ एक बार 2016 में फाइनल में पहुंची विंडीज की टीम ने चार में से तीन मैच जीतकर ग्रुप बी में शीर्ष टीम के रूप में सेमीफाइनल में जगह बनाई। मैथ्यूज टूर्नामेंट में सौ रन पार करने वाली एकमात्र कैरिबियाई बल्लेबाज हैं। सारा टेलर और डिएंड्रा डॉटिन पर भी काफी दारोमदार होगा।

राष्ट्रीय टेबल टेनिस में नहीं खेलेंगे शरत और हरमीत

एजेंसी । मडगांव

भारत के प्रमुख टेबल टेनिस खिलाड़ी शुक्रवार से यहां शुरू हो रही सत्र की दूसरी राष्ट्रीय रैंकिंग टेबल टेनिस चैंपियनशिप में हिस्सा लेंगे। इनमें मानव ठक्कर, जी सत्यन, अहयिका मुखर्जी और सुतिर्था मुखर्जी शामिल हैं। वहीं अचंता शरत कमल और हरमीत देसाई प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं ले रहे। पुरुष वर्ग में शीर्ष वरीय ठक्कर, सत्यन (पीएसपीबी) और मानुष शाह के साथ मिलकर अगुआई करेंगे। महिला वर्ग में अयहिका और सुतिर्था भी जीत की लय जारी रखना चाहेंगी जिन्होंने एशियाई चैंपियनशिप में महिला युगल पदक जीतकर इतिहास रचा और टीम स्पर्धाओं में भारत को कांस्य दिलाने में योगदान दिया।

निशानेबाजी

विश्व कप फाइनल में विवान को रजत

मेजबान टीम के पदकों की संख्या चार हुई, दो पदक पहले सोनम मस्कर और अखिल श्योराण ने जीते

नरूका ने कांस्य पर साधा निशाना

एजेंसी । नई दिल्ली

भारतीय निशानेबाजों ने गुरुवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए दो पदकों पर निशाना साधा। अनंतजीत सिंह नरूका के पुरुष स्कीट में कांस्य पदक के बाद विवान कपूर ने पुरुष ट्रैप स्पर्धा में रजत पदक हासिल किया। इससे यहां जारी आईएसएसएफ विश्व कप निशानेबाजी फाइनल में मेजबान टीम के पदकों की संख्या चार हो गई है।

चीनी शूटर से पिछड़े विवान

विवान ने फाइनल मुकाबले में 44 का स्कोर बनाया और वह चीन के स्वर्ण पदक विजेता यिंग की से पीछे रहे। तुर्की के टोल्गा एन टुंसर ने 35 के स्कोर से कांस्य पदक जीता। इससे पहले विवान ने क्वालीफिकेशन दौर में 125 में से 120 अंक जुटाकर छह निशानेबाजों के फाइनल में जगह बनाई थी। उससे पहले राजस्थान के 26 वर्षीय नरूका ने छह निशानेबाजों के फाइनल में 43 के स्कोर के साथ तीसरा स्थान हासिल करके कांस्य पदक जीता। इटली के तामारो कासांद्रो को स्वर्ण और गैब्रियेले रोसेत्ती को रजत पदक मिला जिन्होंने क्रमशः 57 और 56 स्कोर किया। नरूका ने उससे पहले क्वालीफिकेशन दौर में 125 में से 121 स्कोर बनाया था। महिला वर्ग में गनीमत सेखों स्कीट स्पर्धा में छठे स्थान पर रह कर मुकाबले से बाहर हो गईं। इससे पहले मंगलवार को भारत के लिए महिलाओं के वर्ग में सोनम मस्कर ने 10 मीटर एयर राइफल में रजत और अखिल श्योराण ने पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस में कांस्य पदक जीता है। नरूका और महेश्वरी चौहान पेरिस ओलंपिक में स्कीट मिश्रित टीम स्पर्धा में चौथे स्थान पर रहे थे।

'ऑल वी इमेजिन ऐज लाइट' के रिलीज डेट की घोषणा

लोकेश चंद्रा

निर्देशक पायल कपाड़िया की फिल्म 'ऑल वी इमेजिन ऐज लाइट' 22 नवंबर, 2024 को पूरे भारत में सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। इस फिल्म को साउथ सुपरस्टार राणा डग्गुबाती द्वारा वितरित किया गया। हाल ही में विशेष प्रेस कांफेरेस का आयोजन करके पायल और राणा ने इसकी जानकारी मीडिया को दी। राणा ने फिल्म की वैश्विक यात्रा और भारत में इसकी आगामी योजनाओं पर अपने विचार शेयर किए।

भारत के सिनेमाघरों में रिलीज होने को लेकर राणा दग्गुबाती ने अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, 'हम इस अविश्वसनीय फिल्म को भारतीय सिनेमाघरों में लाने के लिए बहुत उत्साहित हैं। स्पिरिट मीडिया में, हम देश भर के दर्शकों के लिए अनूठी और सार्थक कहानियाँ लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पायल ने एक खूबसूरत फिल्म बनाई है, और हम इसे भारतीय दर्शकों के साथ शेयर करने के लिए इंतजार नहीं कर सकते।'

पायल ने भी इस पर बात करते हुए कहा, 'इस फिल्म को बनाने में कई साल लग गए हैं, और स्पिरिट मीडिया के साथ हमारी साझेदारी के साथ, मैं अगले चरण के लिए बेहद उत्साहित हूं। यह पहली बार है कि मेरी कोई फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होगी और भारतीय दर्शक आखिरकार टिकट खरीद पाएंगे और इसे बड़े पर्दे पर देख पाएंगे, जहां सिनेमा वास्तव में जीवंत हो जाता है।' बता दें कि यह फिल्म फ्रांस की पेटिट कैओस और भारत की चॉक एंड चीज और एनदर बर्थ के बीच एक आधिकारिक इंडो-फ्रेंच सह-निर्माण है।

आगामी 5 बड़ी फिल्मों में नए किरदारों में दिखेंगी वाणी कपूर

खूबसूरत बॉलीवुड अदाकारा वाणी कपूर के पास 5 बेहतरीन प्रोजेक्ट हैं, जिनमें वह 5 बड़ी फिल्मों में काम करेंगी, जो कि अविश्वसनीय रूप से विविधतापूर्ण हैं। वाणी, अजय देवगन की ब्लॉकबस्टर 2018 की अगली कड़ी रेड 2 में बॉलीवुड के सुपरस्टार अजय देवगन के साथ काम कर रही हैं, जिसका निर्देशन राज कुमार गुप्ता कर रहे हैं। वह अबीर गुलाल नामक एक अंतर्राष्ट्रीय प्रोडक्शन में फवाद खान के साथ मुख्य भूमिका निभाती नजर आएंगी, जिसकी शूटिंग फिलहाल यूके में हो रही है। आरती एस बागड़ी द्वारा निर्देशित इस फिल्म का पहला लुक सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और इसे दुनिया भर के लोगों से भरपूर प्यार मिला।

वाणी यशराज फिल्म्स की बहुप्रतीक्षित टेंटपोल सीरीज़, मंडला मर्डर्स में अपना स्ट्रीमिंग डेब्यू करेंगी, जो एक मनोरंजक थ्रिलर है जो दर्शकों को अपनी सीटों से बांधे रखने का वादा करती है। वाणी इस शो में मुख्य भूमिका निभा रही हैं, जिसमें वाणी को पहले कभी न देखे गए अवतार में पेश किए जाने की उम्मीद है। मंडला मर्डर्स का निर्देशन स्मैश हिट मर्दानी 2 के गोपी पुथ्रन कर रहे हैं।

इस शानदार अभिनेत्री को ब्लॉकबस्टर निर्माता दिनेश विजान ने अपनी फिल्म सर्वगुण संपन्न में मुख्य भूमिका के लिए चुना है, यह फिल्म लोगों के दिलों को छू लेगी और वाणी की अभिनय क्षमता को प्रदर्शित करेगी। वाणी एक आधुनिक युग की ड्रामा फिल्म बदतमीज गिल में भी मुख्य भूमिका निभा रही हैं, जिसमें वह मुख्य किरदार निभा रही हैं। इस फिल्म का निर्देशन नवजोत गुलाटी कर रहे हैं।

'इमरजेंसी' को सेंसर बोर्ड से मिली हरी झंडी

भाजपा सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत मौजूदा वक्त में फिल्म 'इमरजेंसी' को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। उनकी यह फिल्म 6 सितंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (CBFC) से प्रमाणपत्र न मिलने के मिलने के कारण ऐसा नहीं हो पाया। अब सेंसर बोर्ड ने 'इमरजेंसी' को 'U/A' सर्टिफिकेट देकर हरी झंडी दिखा दी है, वहीं हाल ही में कंगना ने फिल्म की रिलीज तारीख पर अपडेट दिया है।

फिल्म में नजर आएंगे ये कलाकार

कंगना ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक नोट साझा किया है। उन्होंने लिखा, 'हमें अपनी फिल्म 'इमरजेंसी' के लिए सर्टिफिकेट मिल गया है। हम जल्द ही रिलीज तारीख की घोषणा कर देंगे। आपके धैर्य और समर्थन के लिए धन्यवाद।' 'इमरजेंसी' में कंगना के अलावा सतीश कौशिक, श्रेयस तलपड़े, महिमा चौधरी और अनुपम खेर जैसे कलाकार भी नजर आने वाले हैं। कंगना ने खुद इस फिल्म का निर्देशन किया है। फिल्म की कहानी भी उन्होंने ही लिखी है।

ये पांच प्रोजेक्ट मेरे लिए सिर्फ फिल्में नहीं : वाणी कपूर

वाणी कपूर ने कहा, 'ये पांच प्रोजेक्ट मेरे लिए सिर्फ फिल्में नहीं हैं- ये ऐसी यात्राएं हैं जो मुझे अलग-अलग दुनिया और किरदारों में गहराई से उतरने का मौका देती हैं, जिनमें से प्रत्येक की अपनी कहानी है। मैं हर भूमिका को अपनी सीमाओं को आगे बढ़ाने और स्क्रीन पर कुछ नया और अप्रत्याशित लाने के अवसर के रूप में देखती हूं। यह सिर्फ एक अभिनेता के रूप में मेरी बहुमुखी प्रतिभा दिखाने के बारे में नहीं है, बल्कि लोगों से इस तरह जुड़ने के बारे में है जो वास्तविक और सार्थक लगे।'

उन्होंने आगे कहा, 'मैं इंडस्ट्री के कुछ सबसे प्रतिभाशाली निर्माताओं, निर्देशकों और सह-अभिनेताओं के साथ काम करने के अवसर के लिए वास्तव में आभारी हूं, जिन्होंने न केवल मुझे अपने विजन का हिस्सा बनने के लिए भरोसा किया है, बल्कि इन अविश्वसनीय कहानियों का नेतृत्व करने के लिए मुझ पर भी भरोसा किया है। मैं हर किसी को इन फिल्मों का अनुभव करने और, उम्मीद है, हर प्रदर्शन में मेरे दिल का एक टुकड़ा देखने का इंतजार नहीं कर सकती।'

अभिनय की दुनिया में कदम रखने जा रहे अरहान खान

अभिनेता अरबाज खान और अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा के बेटे अरहान खान इन दिनों खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं। दरअसल, अरहान के पैपराजी के साथ हंसी-मजाक के वीडियो वायरल होते हैं। पिछले कुछ दिनों से खबरें आ रही हैं कि अरहान अभिनय की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं। अब अरबाज ने इन खबरों पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। इसके साथ उन्होंने बताया कि अरहान जल्द ही बॉलीवुड में डेब्यू कर सकते हैं।

जल्द बॉलीवुड में डेब्यू करेंगे अरहान

एक इंटरव्यू में अरबाज ने अपने बेटे अरहान के बॉलीवुड इंडस्ट्री में भविष्य के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि अरहान अभी भी युवा है और अपने व्यक्तिगत विकास पर ध्यान दे रहे हैं। अरबाज ने कहा, 'अरहान को अभिनय में उतरने के लिए कम से कम एक या दो साल का समय और लगेगा।

'गोधरा' के निर्माताओं ने किया नई फिल्म 'कैलकुलेटर' का ऐलान

एमके शिवाक्ष के निर्देशन में बनी फिल्म 'एक्सीडेंट या कॉन्सपिरेसी: गोधरा' को 19 जुलाई, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था, लेकिन यह बॉक्स ऑफिस पर कुछ ख़ास नहीं कर पाई। इस फिल्म का निर्माण बीजे पुरोहित और रामकुमार पाल ने किया था। अब 'गोधरा' की पूरी टीम एक बार फिर साथ आ गई है। दरअसल, 'गोधरा' के निर्माताओं ने नई फिल्म का ऐलान कर दिया है। इस मनोवैज्ञानिक थ्रिलर फिल्म का नाम 'कैलकुलेटर' रखा गया है।

पहला पोस्टर भी आया सामने

निर्माताओं ने 'कैलकुलेटर' का टीजर भी जारी कर दिया है, जो सस्पेंस और थ्रिलर से भरपूर है। फिल्म मानसिक स्वास्थ्य और बलात्कार जैसे गंभीर मुद्दों पर आधारित है। फिल्म की पहला पोस्टर भी सामने आ गया है। यह एक पैन इंडिया फिल्म है, जिसे आप हिंदी के साथ तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में देख सकेंगे। फिल्म की रिलीज तारीख अभी तक सामने नहीं आई है। 'कैलकुलेटर' की शूटिंग जल्द शुरू हो जाएगी।

महाराष्ट्र में 'ROJA' बिगाड़ सकते हैं दोनों गठबंधनों का खेल

NDA और INDIA को सता रहा डर

दोपहर विश्लेषण

धीरज सिंह

चुनाव आयोग ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए तारीखों का ऐलान कर दिया है। राज्य की सभी 288 सीटों पर 20 नवंबर को वोटिंग होनी है और 23 नवंबर को नतीजे आने हैं। राज्य में मुख्य मुकाबला सत्तारुढ़ महायुति और विपक्षी गठबंधन महाविकास अघाड़ी के बीच है लेकिन कुछ छोटे दल या चेहरे ऐसे भी हैं जो दोनों गठबंधनों का खेल बिगाड़ने को बेकरार हैं। इनमें राज ठाकरे, ओवैसी, जरांगे और अंबेडकर (ROJA) शामिल हैं। फिलहाल. महायुति के घटक दलों भाजपा, एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजित पवार की एनसीपी सीटों के बंटवारे पर महामंथन कर रहे हैं और उम्मीद जताई जा रही है कि जल्द ही इन दलों के बीच सीट बंटवारा हो जाएगा।

महाविकास अघाड़ी गठबंधन के घटक दलों (कांग्रेस, उद्धव ठाकरे की शिवसेना और शरद पवार की एनसीपी) के बीच भी अभी सीट शेयरिंग नहीं हो सकी है। वहां भी बातचीत अंतिम चरण में है और दीवाली से पहले एक हफ्ते के अंदर सीट बंटवारे पर अंतिम मुहर लग सकती है। इस बीच, शरद पवार ने कहा है कि MVA में 200 सीटों पर सहमति बन चुकी है। दूसरी तरफ चर्चा है कि भाजपा करीब 125 सीटों पर उम्मीदवार खड़े करेगी। फिलहाल पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने 100 नामों पर चर्चा की है। ये वो नाम हैं जो 2019 में जीतकर आए थे। 2019 में भाजपा ने 105 और संयुक्त शिवसेना ने 56 सीटें जीती थीं। विपक्षी एनसीपी (तब संयुक्त) ने 54 और कांग्रेस ने 44 सीटें जीती थीं। अब एनसीपी और शिवसेना दो फोड़ हो चुकी है। दोनों का एक-एक धड़ा दोनों गठबंधनों में है, ऐसे में मतदाताओं का रुख क्या होगा, यह देखना दिलचस्प होगा। फिलहाल छोटे दलों ने दोनों गठबंधनों को टेंशन दे दिया है।

अब एकला चलेंगे राज ठाकरे

राज ठाकरे लोकसभा चुनावों में बीजेपी के साथ थे लेकिन इस बार उनकी पार्टी महाराष्ट्र नव निर्माण सेना (MNS) ने अकेले उम्मीदवार उतारने का फैसला किया है। MNS प्रमुख राज ठाकरे ने बुधवार को कहा कि उनकी पार्टी राज्य विधानसभा चुनाव बिना किसी गठबंधन के अपने बूते लड़ेगी। ठाकरे ने कहा, ''हम पूरे जोश के साथ चुनाव लड़ेंगे। चुनाव के बाद उनकी पार्टी सत्ता में होगी। MNS सभी राजनीतिक दलों की तुलना में सबसे ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ेगी।'' बता दें कि 2006 में गठित MNS ने राज्य की 288 सदस्यीय विधानसभा के लिए 2014 और 2019 के चुनावों में एक-एक सीट जीती थी। 2019 में इस दल को 2.25 फीसदी वोट मिले थे, जबकि 2014 में 3.15 फीसदी वोट मिले थे। माना जा रहा है कि ठाकरे शिवसेना के ही वोट में सेंध लगाएंगे क्योंकि उनकी राजनीतिक जड़ें उद्धव की शिवसेना से ही जुड़ी रही हैं।

ओवैसी लगाएंगे INDIA गठबंधन के वोटबैंक में सेंध

हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी और उनकी पार्टी AIMIM भी महाराष्ट्र में एक फैक्टर रही है। ओवैसी की पार्टी मुस्लिम बहुल सीटों पर चुनाव लड़ती रही है। 2019 में AIMIM ने 44 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे जिसमें से दो विधायक जीते थे और पार्टी को 1.34 फीसदी वोट मिले थे। इससे पहले 2014 में AIMIM के दो विधायक जीते थे और उसे 0.93 फीसदी वोट मिले थे। इस बार AIMIM मराठा आंदोलन कार्यकर्ता मनोज जरांगे के साथ गठजोड़ कर सकते हैं, जिन्होंने चुनाव में उतरने का ऐलान किया है।

मनोज जरांगे महायुति को झटका देने की फिराक में

मराठा आंदोलन की वजह से मराठा समुदाय और खासकर युवा मराठों के बीच मनोज जरांगे की लोकप्रियता है। उन्होंने राज्य की मौजूदा सरकार के खिलाफ चुनाव में उतरने का ऐलान किया है। मराठों के बीच लोकप्रिय होने की वजह से मराठवाड़ा का चुनावी समीकरण मनोज जरांगे बिगाड़ सकते हैं। राज्य में मराठों की आबादी करीब 32 फीसदी है। 2019 के चुनावों में मराठा समुदाय का अधिकांश एनडीए के पक्ष में था लेकिन 2024 के लोकसभा चुनावों में मराठा समुदाय में एनडीए गठबंधन के प्रति रोष देखा गया था। इस वजह से बीजेपी और उसके सहयोगी दलों को राज्य में नुकसान उठाना पड़ा था। 2019 में मराठवाड़ा की सभी सीटों पर एनडीए की जीत हुई थी लेकिन इस बार भाजपा के कई दिग्गज इस क्षेत्र में चुनाव हार गए। माना जा रहा है कि जरांगे के चुनावी मैदान में उतरने से एनडीए के वोट बैंक में सेंध लग सकता है। जरांगे पहली बार चुनावी मैदान में उतर रहे हैं। जरांगे ने कहा है कि अब मुद्दा सिर्फ मराठों का नहीं है। अब मुसलमानों, दलितों और किसानों को भी एकजुट करके महायुति सरकार को उखाड़ फेकेंगे। इस बीच, AIMIM नेता इम्तियाज जलील ने मनोज जरांगे के साथ गठबंधन करने के संकेत दिए हैं। जलील ने जरांगे से मंगलवार शाम को जालना जिले के अंतरवाली सराटी गांव में मुलाकात की थी। अगर यह गठबंधन होता है तो यह दोनों बड़े गठबंधनों (NDA और INDIA) को नुकसान पहुंचा सकता है।

प्रकाश अंबेडकर की वंचित बहुजन अघाड़ी भी करेगी खेल

मनोज जरांगे अकेले महायुति के लिए खतरा बन रहे हैं तो संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर के पोते प्रकाश अंबेडकर की वंचित बहुजन अघाड़ी महाविकास अघाड़ के रास्ते का रोड़ा बन सकता है। लोकसभा चुनावों में अंबेडकर INDA गठबंधन के साथ दोस्ती करना चाह रहे थे लेकिन सीट बंटवारे पर सहमति नहीं बनने की वजह से दोस्ती बेपटरी हो गई थी। हालांकि लोकसभा चुनाव में प्रकाश अंबेडकर बहुत ज्यादा असर नहीं डाल सके। उनकी पार्टी ने 38 सीटों पर चुनाव लड़ा था। उनमें से सिर्फ दो पर ही उनके उम्मीदवार जमानत बचा सके। प्रकाश अंबेडकर खुद अकोला सीट से बुरी तरह हार गये थे। वह 2,76,747 वोट पाकर तीसरे स्थान पर रहे थे लेकिन यह विधानसभा चुनाव है। जानकारों का मानना है कि प्रकाश अंबेडकर इसमें एक फैक्टर हैं और दलितों के बीच लोकप्रिय हैं। 2014 में इस दल को दो सीटों पर जीत मिली थी और 0.62 फीसदी वोट मिले थे, जो 2019 में बढ़कर 4.57 फीसदी हो गए।

पार्टी रणनीति

भाजपा की रणनीति

उपेक्षित जातियों पर फोकस और माइक्रो मैनेजमेंट

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के तारीखों के ऐलान के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अपनी सियासी ताकत का प्रदर्शन करने के लिए पूरी तरह तैयार है। हरियाणा विधानसभा चुनाव में मिली सफलता ने भाजपा के अंदर अतिरिक्त उत्साह भर दिया है और पार्टी अब महाराष्ट्र में महायुति गठबंधन के साथ अपनी जीत की कहानी को आगे बढ़ाने का लक्ष्य रख रही है। भाजपा के लिए यह चुनाव न केवल राजनीतिक प्रतिष्ठा का सवाल है, बल्कि राज्य में उसकी स्थायी पकड़ को बनाए रखने का भी अवसर है। आइए एक नजर भाजपा की चुनौतियों और उसकी रणनीतियों पर डालते हैं...

भाजपा कैसे साधेगी गठबंधन की बिसात

भाजपा इस बार महाराष्ट्र में शिंदे गुट की शिवसेना और अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के साथ मिलकर चुनावी मैदान में उतर रही है। महायुति गठबंधन के रूप में ये तीनों दल एकजुट होकर 288 सीटों वाली विधानसभा में बहुमत का लक्ष्य साधेंगे। हालांकि, भाजपा की रणनीति गठबंधन के बावजूद राज्य की सबसे बड़ी पार्टी बनने की है और इस दिशा में वह 155 से 158 सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़ा करने की योजना बना रही है। सीटों के बंटवारे और सहयोगी दलों के साथ तालमेल बनाए रखना भाजपा के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती होगी लेकिन इसके लिए पार्टी ने गहन रणनीतिक तैयारियां शुरू कर दी हैं।

उपेक्षित जातियों पर फोकस और माइक्रो मैनेजमेंट

महाराष्ट्र चुनाव में भाजपा के लिए कई मुद्दे निर्णायक साबित हो सकते हैं। मौजूदा वक्त में मराठा आरक्षण राज्य में एक बड़ा राजनीतिक और सामाजिक मुद्दा है, महायुति गठबंधन के लिए चुनौतीपूर्ण रहेगा। चूंकि भाजपा इस गठबंधन का हिस्सा है इसलिए मराठा आरक्षण का समाधान निकालने में उसकी भूमिका अहम होगी। इसके अलावा, महंगाई, किसान संकट, जल संकट, और रोजगार के अवसरों की कमी जैसे मुद्दे भी चुनावी समीकरण को प्रभावित करेंगे। भाजपा इन समस्याओं का समाधान पेश कर मतदाताओं का समर्थन हासिल करना चाहेगी।

कैसा रहा भाजपा का अबतक का चुनावी प्रदर्शन

महाराष्ट्र में भाजपा का पिछले एक दशक का प्रदर्शन काफी प्रभावशाली रहा है। 2014 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने शिवसेना से अलग होकर 122 सीटें जीतीं और राज्य की सबसे बड़ी पार्टी बनी। इसके बाद शिवसेना और भाजपा ने मिलकर सरकार बनाई। हालांकि, 2019 के चुनाव के बाद शिवसेना ने मुख्यमंत्री पद की अदला-बदली को लेकर भाजपा से अलग होकर महा विकास आघाड़ी (एमवीए) के साथ गठबंधन किया। इसके बाद 2022 में एकनाथ शिंदे की बगावत ने एमवीए सरकार को गिरा दिया और शिंदे ने भाजपा के साथ मिलकर नई सरकार बनाई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव भाजपा के लिए महत्वपूर्ण है। हरियाणा में मिली जीत से प्रेरित होकर पार्टी महाराष्ट्र में भी अपना प्रदर्शन बेहतर करने की तैयारी में है। मराठा आरक्षण, महंगाई, किसान संकट जैसे मुद्दे चुनावी अभियान में प्रमुख होंगे और भाजपा का लक्ष्य होगा कि वह इन मुद्दों पर जनता का भरोसा जीत सके। इसके अलावा केंद्र की योजनाओं का लाभ उठाते हुए भाजपा इस चुनाव को अपने पक्ष में करने की पूरी कोशिश कर रही है। अब देखना यह होगा कि पार्टी अपनी रणनीति में कितना सही साबित हो पाती है।

क्या मिलेगा संगठनात्मक ताकत और संघ का सहयोग

भाजपा के चुनावी अभियान में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का सहयोग भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। हरियाणा चुनाव में संघ की बढ़ी हुई भूमिका ने भाजपा को सफलता दिलाई, और अब महाराष्ट्र में भी पार्टी संघ की जमीनी संगठनात्मक ताकत का भरपूर उपयोग करने जा रही है। संघ की राज्य में मजबूत पकड़ होने के कारण भाजपा को विश्वास है कि इसे विधानसभा चुनाव में लाभ मिलेगा। इसके अलावा चुनाव प्रभारी भूपेंद्र यादव और अश्विनी वैष्णव को कार्यकर्ताओं के साथ संवाद स्थापित करने और उन्हें चुनावी तैयारी के लिए प्रेरित करने का जिम्मा सौंपा गया है।

केंद्र की योजनाओं से भाजपा को उम्मीद

भाजपा को केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई कई योजनाओं से भी उम्मीदें हैं। पार्टी ने राज्य में अलग-अलग सामाजिक और आर्थिक मुद्दों को सुलझाने के लिए योजनाएं शुरू की हैं जिनमें किसानों के लिए सब्सिडी, जल प्रबंधन, और रोजगार सृजन पर विशेष ध्यान दिया गया है। भाजपा की कोशिश होगी कि इन योजनाओं को लेकर वह जनता के बीच विश्वास बनाए रखे और मतदाताओं का समर्थन हासिल करे।

रिपोर्ट कार्ड : कोलाबा विधानसभा सीट

बीजेपी की हैट्रिक पर लग सकता है विराम

कांग्रेस का पलड़ा भारी

कुलाबा विधानसभा सीट महाराष्ट्र की बेहद अहम सीट मानी जाती है। यह विधानसभा शहर की एडमिनिस्ट्रेटिव हेडक्वार्टर है। ये सीट दक्षिण मुंबई लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आती है। 10 साल से इस सीट पर बीजेपी का कब्जा है लेकिन इस बार कांग्रेस बीजेपी को पछाड़कर आगे बढ़ सकती है। मतलब बीजेपी के हैट्रिक का चांस बेहद कम नजर आ रहा है। आइए जानते हैं ऐसा क्यों है।

कुलाबा विधानसभा सीट महाराष्ट्र की महत्वपूर्ण सीटों में से एक है। 1962 से लेकर 2019 तक इस सीट की अगर बात की जाए तो कुल 40 साल तक इस सीट पर कांग्रेस पार्टी का दबदबा रहा। लेकिन बीते 10 साल से कांग्रेस के किले में बीजेपी ने सेंध लगा दी है। साल 2014 में बीजेपी के आर के पुरोहित इस सीट से विजयी हुए उसके बाद साल 2019 में बीजेपी की ही राहुल नार्वेकर ने इस सीट और 1990 में कांग्रेस के मर्ज़बान पत्रावाला, 1995 में कांग्रेस के अशोक धात्रक, 1999 में फिर कांग्रेस के मर्जबान पत्रावाला ने जीत हासिल की। उसके बाद 2000 में दिनाज पत्रावाला ने शिवसेना की तरफ से जीत हासिल की। कांग्रेस के एनी शेखर ने साल 2004 और 2008 और 2009 में जीत हासिल की। उसके बाद से यह सीट बीजेपी के नाम है. 2014 में आर के पुरोहित और 2019 में राहुल नार्वेकर ने जीत हासिल की।

2,75,000 के आसपास है कुल मतदाताओं की संख्या

कुलाबा विधानसभा की सीट पर कुल मतदाताओं की संख्या करीब 2,75,000 के आसपास है। जिनमे पुरुष मतदाताओं की संख्या 1,59,000 तो वहीं महिला मतदाताओं की संख्या 1,15,000 है लेकिन कुल मतदाताओं में करीब 72,000 के आसपास मतदाता अल्पसंख्यक हैं। जो उम्मीदवार की जीत में निर्णायक भूमिका निभाते हैं।

कोलाबा में कब किसे मिली जीत

1962 में कांग्रेस के कलाराम दरिया इस सीट से विजई हुए थे। 1967 में 'बी बी के बावन', निर्दलीय उम्मीदवार ने इस सीट से जीत हासिल की थी। वहीं 1972 में कांग्रेस उम्मीदवार आलू जल छिब्बर जीते थे। 1978 में जनता पार्टी के उम्मीदवार रंजीत भानू ने यहां से जीत हासिल की। 1980 में कांग्रेस के ओपी बहल, 1985 से अपनी जीत हासिल की। इस बार समीकरण बदल सकता है क्योंकि कांग्रेस का पलड़ा इस सीट पर भारी नजर आ रहा है।

कोलाबा सीट के जातीय आंकड़े

कोलाबा सीट में मतदाताओं की संख्या 2,75,000 के आसपास है। लेकिन अल्पसंख्यक मतदाताओं की संख्या जीतने वाले उम्मीदवार के लिए निर्णायक साबित होती है। जब बीजेपी ने इस सीट पर जीत हासिल की तब शिवसेना उसके साथ थी लेकिन अब वह उद्धव बाल ठाकरे की शिवसेना के साथ नहीं है। ऐसे में वोट कटिंग के हिसाब से बीजेपी का वोट बैंक इस इलाके में कमजोर पड़ता दिख रहा है। कांग्रेस ने पिछली बार अच्छी वोट मार्जिन इस सीट से हासिल की थी। राहुल नार्वेकर ने 57,420 वोट के साथ बीजेपी की तरफ से जीत दर्ज की। वहीं कांग्रेस के भाई जगताप 41, 225 वोट के साथ दूसरे नंबर पर थे। पहला फैक्टर बीजेपी और शिवसेना में फाड़ का है तो वहीं दूसरा फैक्टर अल्पसंख्यक यहां जीतने वाले उम्मीदवार के लिए निर्णायक भूमिका निभाते हैं। ऐसे में कांग्रेस का पलड़ा इस बार इस सीट के लिए भारी नजर आ रहा है। यह देखना दिलचस्प होगा कि बीजेपी जीत का हैट्रिक लगाने में कामयाब होती है या फिर कांग्रेस 10 साल बाद इस सीट पर फिर अपना दबदबा कायम कर पाती है।